स्थापित 1972

दैनिक भोर

follow us on

जयपुर, गंगानगर व नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित Website :- www.dainikbhor.com

जयपुर वर्ष : 19 अंक : 330 पेज : 8 पोस्टल रजि.नं. जयपुर सिटी/007/2019-21 , मूल्यः 1.00 RNI-RAJ.HIN 2003 11416 फोन : 2590091,2590070 फैक्स नं. 2594054 thebhor@yahoo.com

दीपिका पादुकोण और पीवी सिंधु ... पेज 5

मंगलवार, 12 अेटूबर 2021

ड्रग्स का सेवन हो सकता हैं ... पेज 6

सार-समाचार

जस्टिस एए कुरैशी आज सीजे की शपथ लेंगे

जयपुर(कासं.)। राजस्थान हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस अकील अहमद कुरैशी आज (मंगलवार) शपथ लेंगे। राजभवन में दोपहर 1 बजे राज्यपाल कलराज मिश्र जस्टिस कुरैशी को चीफ जस्टिस पद की शपथ दिलाएंगे। सोमवार रात करीब 9 बजे वह जयपुर पहुंचे। राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे इंद्रजीत महांति की जगह उनका तबादला हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्रीय विधि मंत्रालय ने शनिवार को ही जस्टिस कुरैशी और महांति के तबादलों के आदेश जारी किए थे। जस्टिस कुरैशी 7 मार्च 2022 को रिटायर होने वाले हैं। उनका कार्यकाल करीब साढ़े पांच महीना का ही रहेगा। जस्टिस कुरैशी का जन्म 7 मार्च 1960 को गुजरात में हुआ। उन्होंने 1983 में एलएलबी की। गुजरात हाईकोर्ट में वकील के तौर पर प्रैक्टिस शुरू की। बाद में वकील कोटे से मार्च 2005 में कुरैशी गुजरात हाईकोर्ट के जज बने। इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट में जज रहे।

थाने में सुनवाई नहीं होने पर युवक ने बीच सड़क खुद पर डाला पेट्रोल

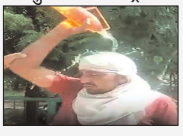

जोधपुर (निसं.)। जोधपुर कलेक्ट्रेट के बाहर बीच सड़क एक युवक ने पेट्रोल उड़ेल कर आत्मदाह का प्रयास किया। इस दौरान उसके पत्नी और बच्चे भी साथ में थे। वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने उसके हाथ से बोतल छीनी और समझाया। उसे थाने ले आए। उसे और उसके बीवी-बच्चों को समझाकर भेज दिया गया। युवक का आरोप है कि उसकी बनाड़ थाने में सुनवाई नहीं हो रही है। इससे तंग आकर वह खुद को आग लगा सुसाइड करने जा रहा है।

ओमाराम पुत्र गोकुलराम डांगी, डांगियावास का रहने वाला है। उसने बताया कि जिस टाल वाले से चारा लेकर आता था, उसने उसकी बाइक को जब्त कर रख लिया। इसको लेकर वह बनाड़ थाने में एफआईआर करवाने गया तो वहां सुनवाई नहीं हुई। एफआईआर नहीं लिखी जा रही और थाने में बर्ताव अच्छा नहीं हो रहा।

बनाउ थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि ओमाराम चारे की टाल से अपने पशुओं के लिए चारा लेकर आता है। चारे का लंबे समय से करीब 23 हजार रुपए उधार था। जब उसने रुपए नहीं लौटाए तो टाल मालिक ने बाइक रख ली। उन्होंने बताया कि युवक रिपोर्ट लिखवाने रात में आया था। इस पर रात में चारे वाले से फोन पर बात की और सुबह थाने में बुलाया। वह सीधे कलेक्ट्रेट चला गया और वहां आत्मदाह का प्रयास किया।

ब्रिटिश मीडिया का दावा...

रूस के जासूसों ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेने का फॉर्मूला चुराकर बनाई थी स्पुतनिक-वी

लंदन/मॉस्को (एजेंसी)। दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन बनाने का दावा करने वाला रूस सवालों के घेरे में है। ब्रिटिश मीडिया ने दावा किया है कि रूस के जासूसों ने ऑक्सफोर्ड- एस्ट्राजेनेका का फॉर्मूला चुराकर स्पुतनिक-वी वैक्सीन तैयार की थी। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने इसकी पुष्टि तो नहीं की है, लेकिन इससे इनकार भी नहीं किया है।

ब्रिटिश मीडिया डेली मेल और द सन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्पुतनिक-वी वैक्सीन को बनाने वाली रूसी कंपनी गेमालेया नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी ने ब्रिटिश फॉर्मूला चुराकर दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन बनाई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का फॉर्मूला चुराने के लिए अपने जासूसों का इस्तेमाल किया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन चाहते थे कि दुनियाभर में फैली इस खतरनाक महामारी का मुकाबला करने की रेस में मॉस्को का नाम सबसे आगे हो।

ब्रिटिश मीडिया आगे लिखता है कि जब पूरी दुनिया महामारी से त्रस्त थी, तब पुतिन के जासूस ब्रिटेन में मौजूद थे। सुरक्षा सूत्रों के हवाले से स्थानीय मीडिया लिखता है- ये जासूस फार्मा कंपनी की लैब से वैक्सीन की ब्लू प्रिंट चुराने वाले थे या फिर प्लांट से तैयार दवा। यह बताना मुश्किल है।

ब्रिटेन के होम मिनिस्ट्री के डेमियन हिंड्स ने कहा कि वह इस मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकते लेकिन इससे इनकार भी नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह मानना उचित है कि निश्चित रूप से विदेशी ताकतें लगातार वाणिज्यिक, संवेदनशील, वैज्ञानिक रहस्य और बौद्धिक संपदा को हथियाने की कोशिश में जुटी हुई है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी पर रूसी हैकर्स के हमले की कोशिश का दावा

ब्रिटिश खुफिया एजेंसी वी 5 ने ब्रिटेन पर रूसी हैकर्स के हमले की कोशिश का खुलासा किया था। एजेंसी ने कहा था कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों द्वारा कोरोना वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल की घोषणा के करीब एक महीने पहले (मार्च 2020) में रूसी हैकर्स ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी पर साइबर हमलों को अंजाम देने की बार-बार कोशिश की थी।

एक महीने बाद ही रूस ने दुनिया की पहली वैक्सीन बनाने का दावा किया

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश वैज्ञानिकों की घोषणा के ठीक एक महीने बाद ही यानी मई 2020 में ही रूस ने इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने कोरोना महामारी से लड़ने के लिए दुनिया का पहला वैक्सीन तैयार कर लिया है। खुद राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अगस्त 2020 में एक टीवी इंटरव्यू में बताया कि देश ने दुनिया का पहला कोरोना वैक्सीन तैयार कर लिया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि घटनाओं की टाइमलाइन बताती है कि मॉस्को ब्रिटेन में पहले क्लिनिकल ट्रायल के दौरान इसका खाका तैयार कर चुका था। रिपोर्ट के मुताबिक बाद के ट्रायल्स में यह सामने आया था कि स्पुतनिक-वी ब्रिटिश वैक्सीन के जैसी काम करती है। दोनों वायरल वेक्टर टीके हैं,यानी कि दोनों निष्क्रिय वायरस का उपयोग प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय बनाने में करते हैं। यह कोरोना वायरस को नष्ट कर देता है।

लखीमपुर खीरी मामले में राजस्थान में गरमाई सियासत

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस ने मौन व्रत रखा

डोटासरा सहित कई मंत्री-नेता हुए शामिल

जयपुर(कासं.)। लखीमपुर खीरी की घटना के खिलाफ और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने जयपुर के सिविल लाइंस फाटक के बाहर सोमवार को मौन व्रत रखा। मौन व्रत में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी सहित कई नेता शामिल हुए।

कांग्रेस ने अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग करते हुए देश भर में अभियान चलाने का फैसला किया गया था। कांग्रेस नेताओं ने राजधानी जयपुर के सिविल लाइंस फाटक पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तीन घंटे का मौन व्रत रखा। सिविल लाइंस में धारा 144 होने के कारण फाटक के बाहर मौन व्रत पर बैठे।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश कांग्रेस को चिट्ठी भेजकर तीन घंटे मौन व्रत करने को कहा था। कांग्रेस ने इससे पहले जयपुर में पैदल मार्च करके लखीमपुर खीरी की घटना का विरोध जताया था। 7 अक्टूबर को भरतपुर जिले में यूपी बॉर्डर पर प्रदर्शन किया था। अब कांग्रेस नेता मौन व्रत कर मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री से इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस लगातार हर राज्य में इस मुद्दे को उठा रही है।

रीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड जयपुर पहुंचा

केदारनाथ से दर्शन कर लौट रहा था बोीलाल, नीचे आते ही एसओजी ने दबोचा

जयपुर (कासं.)। रीट पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड बत्तीलाल मीणा व शिवा को एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) की टीम सोमवार दोपहर उत्तराखंड से जयपुर लेकर पहुंची। बत्तीलाल से पूछताछ के बाद एसओजी ने पेपर लीक प्रकरण से जुड़े तीन अन्य आरोपियों को आगरा से गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि इन तीनों ने ही बत्तीलाल को पेपर दिलाया था। एसओजी अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि बत्ती लाल मीणा व शिवा चकेरी को एक दिन पहले उत्तराखंड में केदारनाथ से गिरफ्तार किया था। बत्तीलाल से पूछताछ के बाद पता लगा कि उसे पेपर पृथ्वीराज मीना, रवि पागड़ी व रवि जीनापुर ने दिया था। तीनों के आगरा में होने का पता लगा। तभी एक टीम को आगरा भेजा गया। एसओजी आगरा से तीनों को गिरफ्तार कर लाई। एसओजी की दोनों टीमें आरोपियों को सोमवार दोपहर लेकर पहुंची।

26 सितम्बर को रीट हुआ था। गंगापुर सिटी में परीक्षा सेंटर पर डेढ़ घंटे पहले ही पेपर आउट हो गया था। एसओजी ने मामले की जांच शुरू की तो एक-एक कर कड़ी खुलती चली गई। पुलिस ने कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल सहित गिरोह से जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में पता लगा कि मास्टरमाइंड बत्तीलाल मीणा उर्फ विकास मीणा निवासी ऐचर, खंडार सवाईमाधोपुर है। पुलिस उसे 15 दिन से तलाश कर रही थी। बत्तीलाल फरार होकर पहले एमपी गया था।

राजस्थान में पटाखा बिक्री पर लगे बैन का विरोध, सड़कों पर उतरे व्यापार महासंघ के पदाधिकारी

जयपुर (कासं.)। राजस्थान में लगातार दूसरे साल पटाखा बेचने और चलाने पर लगी रोक का विरोध शुरू हो गया है। जयपुर के व्यापारियों ने आज अशोक गहलोत सरकार के इस निर्णय का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की। साथ ही जयपुर के एक विधायक को ज्ञापन देकर कहा कि इस व्यवसाय से 10 लाख से ज्यादा लोग जुड़े है, जो सभी प्रभावित होंगे। जयपुर व्यापार महासंघ के साथ जयपुर में सड़कों पर विरोध में उतरे पटाखा व्यवसायियों ने बताया कि पिछले साल भी सरकार ने कोरोना में मरीजों को परेशानी होने की बात कहकर पटाखों के बेचान और चलाने पर रोक लगा दी थी। एसोसिएशन ऑफ फायरवर्क्स आर्टिस्ट के महामंत्री जाहिर अहमद ने बताया कि राजस्थान में पटाखा कारोबार से लगभग 10 लाख लोग प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रूप से जुड़े है। हर साल जयपुर में पटाखों का एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा कारोबार होता है।

प्रदेश में धार्मिक कार्यक्रमों से रोक हटी

200 लोग हो सकेंगे शामिल, हाट बाजार भी सशर्त लग सकेंगे

वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगवा चुका व्यक्ति ही हो सकेगा शामिल

जयपुर(कासं.)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में धार्मिक कार्यक्रमों में 200 लोगों के शामिल होने की सशर्त छूट दी है। सुबह 6 से रात 10 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम हो सकते हैं। इसमें शामिल होने वाले लोगों को कम से कम वैक्सीन की एक डोज लगी होनी चाहिए। आयोजन की सूचना पहले जिला प्रशासन को देनी होगी। इससे साफ हो गया है कि दशहरे और दिवाली पर होने वाले कार्यक्रमों में अब किसी तरह का अवरोध नहीं है। गृह विभाग ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। गाइडलाइन में पशु हाट मेलों के साथ हाट बाजार लगाने की भी अनुमति दी गई है। अब तक हाट बाजारों पर रोक थी। हाट बाजार के लिए पहले प्रशासन को सूचना देनी होगी। प्रदेश के कई शहरों में हाट बाजार लगते हैं। गाइडलाइन में बाजार, दुकानें और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स खुलने का समय पहले की तरह ही रात 10 बजे तक का रखा गया है। रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक प्रदेश भर में नाइट कर्फ्यू रहेगा। नाइट कर्फ्यू का समय पहले भी यही था।

गृह विभाग की गाइडलाइन में धार्मिक कार्यक्रमों और हाट बाजारों से रोक हटाने के अलावा बाकी प्रावधान पुराने हैं। पहले से जारी छूट यथावत हैं। गृह विभाग ने धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों के लिए कम से कम वैक्सीन की एक डोज लगी होनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने जयपुर संगठन में फेरबदल किया

जवाहर जयपुर सम्भाग प्रभारी और जुगल जयपुर जिलाध्यक्ष घोषित

जयपुर (कासं.)। आम आदमी पार्टी राजस्थान में अपने संगठन को मजबूत करने के मकसद से पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां देने का सिलसिला जारी रखे हुए है। रविवार को जयपुर के दो निगम अध्यक्षों की घोषणा की गई थी सोमवार को जयपुर के जिलाध्यक्ष रहे जवाहर शर्मा को जयपुर सम्भाग प्रभारी बना दिया है। उनके स्थान पर जुगल शर्मा को जयपुर जिले का अध्यक्ष घोषित किया गया है। प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह जी की स्वीकृति और सह प्रभारी खेमचंद जागीरदारजी की सहमति से प्रदेश सचिव देवेंद्र शास्त्री ने उक्त घोषणा में बताया कि नई व्यवस्था में जुगल अब निगम क्षेत्र छोड़कर जयपुर जिले में जिलां अध्यक्ष के नाते काम करेंगे। नई सभी नियुक्तियों की पुष्टि तीन महीने के कार्य प्रदर्शन से की जाएगी।

बुजुर्ग दंपती की कार पर डंपर पलटा, पति-पत्नी की मौत

जयपुर(कासं.)। जयपुर में गोपालपुरा बाईपास पर बजरी से भरे डंपर से टक्कर के बाद दबने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। राजधानी जयपुर में रविवार देर रात करीब 11:30 बजे अवैध बजरी का परिवहन कर रहे डंपर ने कार सवार बुजुर्ग दंपती की जान ले ली। तेज रफ्तार बेकाबू डंपर कार पर पलट गया। हादसा गोपालपुरा बायपास पर गंगा जमुना पेट्रोल से आगे पंडित टीएन मिश्र मार्ग कट पर हुआ। हादसे में बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। कार में दंपती का पोता भी था। उसे मामूली चोट आई है। बजरी से भरा डंपर किसान धर्मकांटा, मानसरोवर की तरफ जा रहा था। जबकि कार श्याम नगर की तरफ से न्यू सांगानेर रोड की ओर जा रही थी। इस दौरान तेज रफ्तार डंपर ने कार को टक्कर मारी और पलट गया, जिससे कार में सवार बुजुर्ग दंपती और उनका पोता अंदर ही दब गए। राहगीरों की सूचना पर श्याम नगर, मानसरोवर, शिप्रापथ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

रंग चौबारा मे मुंशी प्रेमचन्द की कहानी पंच परमेश्वर का सशक्त मंचन

जयपुर (कासं.)। विमूर्ति के 'रंग चौबारा' में सोमवार को मंशी प्रेमचन्द की प्रसिद्ध कहानी पंच परमेश्वर में तत्कालीन समाज में व्याप्त बुराइयों, विसंगतियों को सामने लाने और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने की दिशा में कलाकारों ने अपने अभिनय से एक बार फिर पात्रों को चरितार्थ किया।

विमूर्ति के शांतनु भसीन ने बताया कि रंग चौबारा में देश के प्रसिद्ध साहित्यकारों की कहानियों का मंचन किया जाएगा जिससे आने वाली पीढ़ी को हमारे अमूल्य साहित्य की धरोहर की जानकारी प्राप्त हो सके

पारंपरिक किस्सागोई शैली में इस कहानी को बहुत ही सहज ढंग से ईश्वर दत्त माथुर ने सुनाया। कहानी के बीच बीच में पात्रों को सजीव रूप में खड़ा कर उनका नाट्य रूप मंचित किया गया। कहानी प्रारंभ होने से पहले घर परिवार की आधुनिक समस्या मोबाइल पर प्रहार करते हुए घर के बच्चों को मोबाइल छोड़कर साहित्य पढ़ने की प्रेरणा देने से कहानी की शुरुआत की गई। बच्चों को समझाया गया कि हमारे देश में प्राचीन काल से ही चौपाल परंपरा का मजबूत आधार रहा है और वही गांव की समस्याओं का निदान पंचो द्वारा किया जाता रहा है। पंच परमेश्वर नाटक का निर्देशन गुरमिन्दर सिंह पुरी रोमी ने किया। पंच परमेश्वर में जुम्मन शेख की भूमिका में नीरज गोस्वामी, खाला की भूमिका में श्रीमती भगवंत कौर, संजू साहू की भूमिका में राजेंद्र शर्मा राजू, फल्गु चौधरी की भूमिका में मोइनुद्दीन खान पंचायत में राकेश माथुर, प्रशांत यादव और कहानी के प्रमुख सूत्रधार के रूप में ईश्वर दत्त माथुर ने अपनी सशक्त भूमिका निर्वाह की।

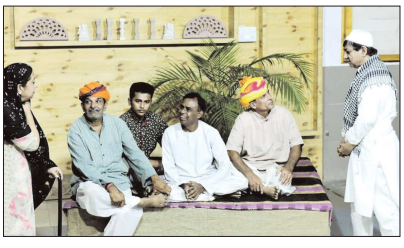

कहानी सुनने वाले बच्चों में निशांत यादव के अलावा टाबर संस्था के बच्चे भी थे। प्रारंभ में सूचना आयुक्त और वरिष्ठ पत्रकार रहे नारायण बारेठ ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्य और उनकी आज के संदर्भ में प्रासंगिकता पर विस्तार से बताया कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार हेतु भारद्वाज आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष रहे राजीव अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

महिला ने लिफ्ट ली, युवक ने दुष्कर्म कर मारा

जयपुर (कासं.)। जयपुर के बस्सी में 15 दिन पहले 57 साल की महिला की हत्या के मामले का सोमवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी को भी भीलवाड़ा से गिरफ्तार किया है। महिला ने 10 रुपए बचाने के लिए आरोपी से लिफ्ट मांगी थी। जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने महिला की साड़ी से गला दबा कर हत्या कर डाली। शव को जंगल के पास नाले में ही फेंक दिया था। हत्या के बाद आरोपी भीलवाड़ा के परसुरामपुरा में जाकर एक आश्रम में छुप गया था।

डीसीपी ईस्ट प्रहलाद कृष्णियां ने बताया कि महिला की हत्या के आरोपी राजूलाल मीणा(37) पुत्र भगवानसहाय मीणा निवासी उगावास तूंगा को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि 26 सितम्बर को महिला का शव जंगल के पास नाले में पड़ा हुआ मिला था। महिला बांसखो की रहने वाली थी। जो बस्सी रीको एरिया में एक प्लाईवुड कंपनी में काम करती थी। वह शाम को लिफ्ट लेकर घर जाने के लिए खड़ी थी। तभी आरोपी राजूलाल मीणा वहां पर बाइक लेकर आया। महिला लिफ्ट लेकर उसके साथ बैठ गई। आरोपी महिला को ढोल की ढाणी के सुनसान जंगल में ले गया।

सार-समाचार

टैफे ने राष्ट्रव्यापी सर्विस अभियान मैसी सर्विस उत्सव लॉन्च किया

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। प्रमुख भारतीय ट्रैक्टर कंपनी और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता, टैफे - ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने एक राष्ट्रव्यापी मेगा ट्रैक्टर सेवा अभियान गमैसी सर्विस उत्सवग लॉन्च किया, ताकि किसानों के लिए चिंता मुक्त खेती सुनिश्चित की जा सके। मैसी सर्विस उत्सव का मुख्य उद्देश्य मेन्टेनेंस की लागत को कम करके किसानों को लाभ पहुंचाना है और उन्हें देश भर में 3000 से अधिक, अति कुशल और अच्छी तरह से प्रशिक्षित मैकेनिकों के मार्गदर्शन में 1500 से ज्यादा अधिकृत वर्कशॉपों में ट्रैक्टर श्रेणी में सर्वोत्तम सर्विस प्रदान करना है। ये मेन्टेनेंस सेवाएं सीजन के दौरान उच्च परफॉर्मेंस के लिए, प्रत्येक ट्रैक्टर के 25 से 44 पॉइंट्स की जांच सुनिश्चित करती हैं। आकर्षक ऑफरों और लाभदायक छूट के साथ मैसी सर्विस उत्सव को प्रत्येक टैक्टर मालिक की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मैसी सर्विस उत्सव के अंतर्गत दिए जा रहे कुछ प्रमुख ऑफरों में ऑयल सर्विस पर उपहार और छूट, 4000 रुपये बिल मूल्य से अधिक के कामों पर 15 प्रतिशत की छूट, 4000 रुपये बिल मूल्य से कम के कामों पर पुर्जों पर 3-5 प्रतिशत की छूट, तेल पर 10 प्रतिशत की छूट और लेबर चार्ज में 50त्न तक की छूट, एग्रीस्टार पावरवेटर के ओरिजिनल ब्लेड पर 20 प्रतिशत की छूट और अतिरिक्त देखभाल, शामिल हैं। मैसी सर्विस उत्सव के साथ, टैफे का लक्ष्य ग्राहकों के साथ जुड़ना है ताकि वे सीजन के लिए अपना ट्रैक्टर तैयार कर सकें। इसके अलावा, टैफे का उद्देश्य उन ग्राहकों को विशेष सेवा प्रदान करना है जो पिछले 12 महीनों में अधिकृत वर्कशॉप में नहीं जा पाए हैं, और उन ग्राहकों को सेवाएं देना है जिनके ट्रैक्टरों को बड़े ओवरहाल और मरम्मत की जरूरत है।

भारती एक्सा लाइफ ने नया सेविंग्स प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। भारती एक्सी लाइफ इंश्योरेंस, भारत के अग्रणी व्य वसाय समूहों में से एक भारती एंटरप्राइजेज और विश्व की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक एक्सा के बीच एक संयुक्त उपक्रम, ने आज एक नये पार्टिसिपेटिंग सेविंग्स प्रोडक्ट भारती एक्सा लाइफ उन्नत के लॉन्च की घोषणा की है। यह प्ला न एक ही प्लानर में बचत और सुरक्षा के दोहरे फायदों के साथ लोगों को लंबे समय की वित्तीइय स्थिरता देने के लिये तैयार किया गया है। भारती एक्सो लाइफ उन्नति की कल्प ना ग्राहकों को महत्व देने के प्रस्ता व के केन्द्र में रखकर की गई है। यह ग्राहकों को निश्चित वित्तीय रिटर्न्स के साथ धन अर्जित करने के लिये सशक्त करता है और दूसरे वर्ष से ही निश्चित रिटर्न्स का आनंद लेने के विकल्पों के साथ जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों की योजना बनाने की समर्थता देता है। भारती एक्सा लाइफ उन्नति एक व्यापकफ प्रोडक्टथ है, जो चार प्लापन ऑप्ंस स, प्रीमियम के भुगतान की परिवर्तनीय अवधि और राइडर्स के तौर पर कई एड-ऑन्स की पेशकश करता है। यह ग्राहकों को अपनी जरूरतों और जीवन के लक्ष्यों के अनुसार प्रोडक्टक को व्यऑक्तिपरक (कस्टहमाइज) बनाने की अनुमति देता है।

निप्पॉन पेंट ने जयपुर में अपना पहला एनस्पायर स्टोर लॉन्च किया

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। एशिया पेसिफिक के प्रमुख पेंट निर्माता निप्पॉन पेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (डेकोरेटिव डिविजन), ने आज जयपुर में अपना पहला एनस्पायर स्टोर लॉन्च किया। यह अनूठा कॉन्सेप्ट स्टोर है जोकि निप्पॉन पेंट के प्रोडक्ट्स की पेशकश करता है। यह होम डेकोर सेगमेंट के लिए डिजाइन किया गया नया रिटेल मॉडल है और आंतरिक और बाहरी पेंट प्रदान करता है। स्टोर का पता है - अंकित पेंट्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, न्यू आतिश मार्केट, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, जयपुर। जयपुर में आज नए एनस्पायर स्टोर का अनावरण निप्पॉन पेंट इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इसमें राजस्थान और एमपी के रीजनल सेल्स मैनेजर संतोष कुमार दुबे, जयपुर और गोवा के डिजिवनल सेल्स मैनेजर मनीष कुमार कंदोई, राजस्थान के प्रोजेक्ट सेल्स मैनेजर नितेश स्वामी और अंकित पेंट्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक अमित बकीवाला और अंकित बकीवाला शामिल हैं। इस अनोखे स्टोर पर ग्राहकों को एक ही छत के नीचे पेंट्स के बारे में सलाह-मशविरा करने का अवसर मिलता है। वह एक्सपर्ट से रंगों या पेंट के बारे में सलाह ले सकते हैं और निप्पो पेंट के प्रॉडक्ट्स हासिल कर सकते हैं। इसके एक्सपीरिएंशल एलीमेंट्स से इस पेंट की अहमियत और बढ़ जाती है। टच और फील पैनल के साथ उपभोक्ता अलग-अलग पेंट्स की बनावट और फिनिश का अनुभव कर सकते हैं। वर्चुअल विजुलाइजर से उपभोक्ताओं को यह पता चल सकता है कि अलग-अलग तरह के पेंट कलर कॉम्बिनेशन में उनका घर देखने में कैसा लगेगा। एनस्पायर स्टोर्स इंटरनेशनल कवॉलिटी के हाईटेक पेंट्स की बिक्री का अवसर प्रदान कर निप्पॉन पेंट्स के डीलरों को सशक्त बनाने की कोशिश करते हैं। आने वाले वर्षों में निप्पॉन पेंट्स इस तरह के और स्टोर्स को राजस्थान मे लॉन्च करेगा।

श्रीगंगानगर में नए कोर्ट कांपलेस का शिलान्यास

जस्टिस मनोज गर्ग और इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच रखी नींव

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। श्रीगंगानगर के लिए आज का दिन बहुत ही खास रहा जब पुरानी शुगर मिल परिसर में प्रस्तावित मिनी सचिवालय कैंपस में बनने वाले नए कोर्ट कंपलेक्स का नींव पत्थर रखा गया। आज प्रात: बार संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जोधपुर हाईकोर्ट के जस्टिस मनोज गर्ग और जस्टिस इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शिलान्यास करते हुए पांच मंजिला नए कोर्ट कंपलेक्स की पहली ईंट रखी। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर जाकिर हुसैन, पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रशेखर शर्मा, राजस्थान बार कौंसिल के पूर्व अध्यक्ष नवरंग चौधरी, बार संघ श्रीगंगानगर के अध्यक्ष विजय रेवाड़, अनेक न्यायिक,प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी, बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। बेहद खुशनुमा माहौल में शिलान्यास होने के बाद उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को बधाइयां तथा शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम लगभग एक घंटा चला सभी ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष इंद्रजीत बिश्नोई, ओम रावल, वीरेंद्र बिश्नोई, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राम वर्मा, काशीराम, गौरीशंकर शर्मा, साढूलशहर बार संघ के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, देवेंद्र रोज, भावना स्वामी, सीताराम बिश्नोई सहित बड़ी संख्या में और लगभग सभी सरकारी लोक अभियोजक उपस्थित रहे।

पांच मंजिला वातानुकूलित भवन

श्रीगंगानगर में 66 वर्ष के बाद नया कोर्ट कंपलेक्स बनने जा रहा है। जहां एक बार फिर से सभी अदालतें एक ही भवन में होंगी। इसी कैंपस में अधिवक्ताओं के अलग-अलग चेंबर भी होंगे। पूर्णत वातानुकूलित बनने वाले कोर्ट कंपलेक्स पर 111 करोड़ से अधिक की लागत आएगी। श्रीगंगानगर में लगभग चालीसा अदालतें हैं जो फिलहाल मौजूदा जिला न्यायालय परिसर के अलावा जिला कलेक्ट्रेट, पुराने राजकीय चिकित्सालय तथा आसपास के भवनों में चल रही हैं। इससे काफी परेशानियां महसूस की जा रही थी। जगह भी काफी कम पडने लगी थी। करीब एक दशक से नए कोर्ट कंपलेक्स के लिए प्रयास हो रहे थे। पहले पदमपुर मार्ग पर जगह देखी गई थी लेकिन बाद में जब सरकार ने पुरानी शुगर मिल की लगभग 108 बीघा भूमि में मिनी सचिवालय सहित लगभग तमाम सरकारी कार्यालय बनाने की कार्य योजना बनाई तब नए कोर्ट कंपलेक्स का भी इसी परिसर में प्रस्ताव किया गया। नया कोर्ट कंपलेक्स मौसम विभाग रोड से कबीर चौक को जाने वाली मेन रोड पर 18 बीघा से ज्यादा भूमि में बनेगा। पांच मंजिला कॉन्प्लेक्स में पहले चरण में तीन मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। इसमें सभी न्यायालय होंगे। इसकी फ्रंट साइड में अधिवक्ताओं के लिए 12 गुणा 17 फुट साइज के 200 चैंबर प्रथम चरण में बनाए जाएंगे।

दो वर्ष में बन जाएगा नया कांपलेक्स

बार संघ अध्यक्ष विजय रेवाड ने बताया कि बाद में जरूरत के मुताबिक चेंबर बिल्डिंग की और मंजिलें बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग से कांपलेक्स का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाया जाएगा। कोर्ट कंपलेक्स में अति आधुनिक सुविधाओं से सुसफ्जित ऑडिटोरियम होगा।बार रूम, लाइब्रेरी,लिफ्ट,पोस्ट ऑफिस, बैंक,एटीएम कैंटीन, तथा पार्किंग आदि हर प्रकार की सुविधाएं होंगी। यह भवन पूर्णत वातानुकूलित होगा। राफ्य सरकार ने इस कोर्ट कंपलेक्स के लिए 111 करोड़ 18 लाख का बजट जारी कर दिया है। उधर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सूत्रों के अनुसार जल्दी ही इस भवन के निर्माण के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। क यह प्रोजेक्ट काफी बड़ा है। इसलिए विभाग पहले कंसलटेंट फाइनल करेगा।इसकी भी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। किसी फर्म को कंसलटेंट बनाने के बाद टेंडर जारी होंगे। निर्माण कार्य की देखरेख के लिए एक न्यायिक अधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी भी गठित की जाएगी। उगेखनीय है कि श्रीगंगानगर में जिला न्यायालय परिसर 66 वर्ष पूर्व बना था। तब अदालतों की संख्या कम थी, लेकिन बाद में धीरे धीरे नई अदालतों का सृजन होता रहा।प्रकरणों के साथ अधिवक्ताओं की संख्या में भी इजाफा हुआ। फिलहाल श्रीगंगानगर बार संघ में 12 सौ से अधिक

अधिवक्ता एनरोल हैं। लगभग 700 अधिवक्ता नियमित रूप से प्रैक्टिस करते हैं। बार संघ अध्यक्ष ने कहा कि पूरा प्रयास रहेगा कि नया कोर्ट कंपलेक्स अधिकतम 2 वर्ष में बनकर तैयार हो जाए। इस कंपलेक्स के बन जाने से न्यायिक अधिकारियों के साथ-साथ अधिवक्ताओं और अदालतों में आने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी।

अधरझूल में मिनी सचिवालय भवन का निर्माण याद रहे कि पुरानी शुगर मिल वाली जगह पर सेल टेक्स विभाग के 6 मंजिला भवन का एक विंग बनकर लगभग तैयार हो चुका है। मिनी सचिवालय भवन की अभी शुरुआत नहीं हुई है। मिनी सचिवालय का शिलान्यास हो चुका है लेकिन अभी तक निर्माण शुरू नहीं हुआ है। इसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा कई बार बैठकें कर निर्णय लिए गए हैं लेकिन भवन के लिए आवश्यक बजट की व्यवस्था नहीं हो रही।शिलान्यास के समय इसकी लागत है करीब 180 करोड़ आंकी गई थी।अब लगभग 250 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इसी जगह पर लगभग 27 बीघा जमीन में जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय और आबकारी निरोधक थानों का भी निर्माण होना है।मौसम विभाग ओवरब्रिज चौंक से कबीर चौक तक डिवाइडर वाली डबल रोड का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

देश में प्राथमिक चिकित्सा की शिक्षा बेहद जरूरी-प्रो. वी एन प्रधान

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। प्राथमिक चिकित्सा की शिक्षा और उसके लिए पाठ्यक्रमों की जरूरत पर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नीलानी, जयपुर द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह प्रेस वार्ता मानसरोवर स्थित दीपशिखा, कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन में किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वी एन प्रधान ने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए प्राथमिक चिकित्सा और इससे जुडे अन्य प्राथमिक उपचार पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सभी इच्छुक अभ्यर्थी जो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं उन्हें इस पाठ्यक्रम के माध्यम से बेहतर विकल्प प्राप्त हो सकते हैं। यह पाठ्यक्रम रोजगार एवं स्वरोजगार को बढाने के लिए एक सुनहरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को मंजूरी देने के बाद से सरकार अपना ध्यान प्राथमिक चिकित्सा को मजबूत बनाने में लगा रही है। और प्राथमिक चिकित्सा के पाठ्यक्रमों को शुरू करके हमारा विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के सपनों को पूरा करने में मदद कर रहा है। इन सभी पाठ्यक्रमों को संचालित करने के लिए भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद् (फर्स्ट ऐड काउंसिल ऑफ इंडिया), दिगी को चिन्हित किया गया है तथा अनन्यी ज्ञापन समझौता भी हस्ताकक्षरित किया गया है। विश्वविद्यालय अध्यापन सहयोगी संस्था भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद् के माध्यम से पूरे राजस्थासन में कई वर्चुअल, परंपरागत केंद्र व सूचना केंद्र स्थापित कर रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान फर्स्ट ऐड काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. शबाब आलम ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नानलाजी, जयपुर द्वारा प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ डिप्लोमा कोर्स एक प्रगतिशील कोर्स है जिसके माध्यम से पूरे देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में एक सकारात्मक संदेश जनहित स्वरोजगार हेतु दिया गया है तथा इसके लाभ पूरे देश के छात्र-छात्राएं राजस्थाबन राज्य में स्थित अध्ययन अध्यापन केन्द्रों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। यह कुशल योजना के अंतर्गत स्वरोजगार व रोजगार हेतु विश्वविद्यालय व एफएसीआई के माध्यम से किया जा रहा है। इस मौके पर दीपशिखा के अंशुल, डॉक्टर अंशु सुराणा और प्रोफेसर अंकित गांधी मौजूद थे। वहीं इस अवसर पर एफएसीआई द्वारा फर्स्ट ऐड विषयों की 5 पुस्तकों का विमोचन किया गया जिसे यूनिवर्सिटी में पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा।

फर्स्टी ऐड काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉक्टार शबाब आलम ने आगे बताया कि प्राथमिक उपचार कोर्स प्रत्येक जनमानस की आवश्यिकता है इस कोर्स को कॉलेज, यूनिवर्सिटीज में किया जाना चाहिए। जिस प्रकार स्कूल कॉलेज ने एनसीसी और स्काउट का एक विभाग होता है ठीक उसी प्रकार प्राथमिक उपचार का भी विभाग होना चाहिए। एफएसीआई के डायरेक्टर महेंद्र पारिख ने बताया कि कोविड-19 के कारण अध्ययन, अध्यापन व परीक्षा पारंपरागत व ऑनलाइन की जायेंगी तथा इसके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा संकल्पित आत्मनिर्भर भारत व डिजिटल इंडिया की संकल्पना को प्रोत्साहन देना है। प्रेस वार्ता में भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद् की अधिवक्ता शिवानी कालरा एवं मध्य प्रदेश एफसीआई के निर्देशक अजय साहू भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि यह कोर्स बहुत ही लाभदायक है जो छात्रों के उज्जवल भविष्यक की ओर इशारा करता है।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। उभरते हुए भारत के ग्राहकों का फिनटेक, फिनो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (एफ पीबीएल) ने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। इस गठबंधन के दौरान पंकज त्रिपाठी विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर फिनो पेमेंट्स बैंक के मार्केटिंग अभियानों का चेहरा होंगे। वो ब्रांड के उत्पादों व सेवाओं को प्रमोट करने के लिए ब्रांड के साथ मिलकर काम करेंगे, जिनका प्रतिनिधित्व फिनो के सदैव मौजूद, मित्रवत एवं नजदीकी स्थानीय बैंकर, जो हमेशा उपलब्ध रहते हैं, करते हैं! दर्पण आनंद, सिनियर डिव्हिजनल हेड (उत्तर) फिनो पेमेंट्स बैंक ने कहा, ''फिनो ने पहली बार एक ब्रांड एम्बेसडर के साथ गठबंधन किया है, जो खुद में एक बडी उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा, ''हमें लोकप्रिय कलाकार, पंकज त्रिपाठी को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाने की बहुत खुशी है। पंकज त्रिपाठी का व्यक्तित्व हमारे ब्रांड के मूल्यों के अनुरूप है। हमें विश्वास है कि यह गठबंधन न केवल इस ब्रांड की रिकॉल बढाएगा, बल्कि डिजिटल बैंकिंग अपनाने के प्रति उपभोक्ताओं का व्यवहार बदलने में भी बहुत कारगर रहेगा। फिनो पेमेंट्स बैंक के साथ अपने गठबंधन के बारे में पंकज त्रिपाठी ने कहा, ''जब मैंने फिनो के 'फिकर नॉट' दृष्टिकोण के बारे में सुना, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि अपनी जिंदगी में मैं ऐसा ही हूँ। मेरी सफलता का श्रेय भी मेरे इसी दृष्टिकोण को जाता है, इसी कारण इस ब्रांड से मेरा भावनात्मक जुडाव फौरन बन गया। मैं फिनो पेमेंट्स बैंक और एजेंसी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे फिनो ब्रांड का चेहरा बनाया। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ।'' आनंद भाटिया, सीएमओ, फिनो पेमेंट्स बैंक ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण फैसला यह था कि ब्रांड को जीवंत कौन करेगा, ब्रांड के गुणों के अनुरूप कौन है और कौन सी सेलिब्रिटी में ये दोनों चीजें हैं।'' उन्होंने कहा, ''पंकज त्रिपाठी से पूरे देश का जुडाव है और उनमें फिनो पेमेंट्स बैंक के मूल्य निहित हैं, जैसे वो जमीनी, वास्तविक, सच्चे, ईमानदार, सक्षम एवं मेहनती हैं।

एयू स्मॉल फाइनांस बैंक ने महा त्यौहार योजनाओं की घोषणा की

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। भारत की सबसे बड़ी स्मॉल फाइनांस बैंक एयू स्मॉल फाइनांस बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए पूरे देश में महा त्यौहार योजनाओं की घोषणा की है। एयू शॉपिंग धमाका योजना 4 अक्तूबर, 2021 से शुरु हो चुकी है और यह 7 नवंबर, 2021 को समाप्त होगी। एयू बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर छूट और कैशबैक की सुविधा पेश करने के लिए 500+ ब्रांड्स पर योजनाओं के साथ, एयू बैंक ने शॉपिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रैवल, डाइनिंग, वेलनेस इत्यादि जैसे विभिन्न श्रेणियों में अग्रणी ब्रांड्स के साथ भागीदारी की है। 700 से अधिक अति-स्थानीय व्यापारियों से गठजोड़ के साथ यह योजनाएं अमेज़ॉन, मिन्त्रा, यात्रा, मेकमायट्रिप, जियोमार्ट, डॉमिनोज़, ओला, बिगबास्केट, ऑप्पो, रियलमी, क्रोमा, इज़ीडाइनन इत्यादि पर उपलब्ध हैं। महीने भर चलने वाले इस शॉपिंग उत्सव में शामिल हैं सीमित अवधि की गण योजनाएं जैसे सोने पर कर्ज़ (गोल्ड लोन) के लिए प्रोसेसिंग फीस पर 100 प्रतिशत की छूट (रु.2 लाख और इससे ऊपर मूल्य के लोन के लिए), कृषि कर्ज़ (एग्री लोन) के लिए प्रोसेसिंग फीस में 0.20त्न की छूट, (सिक्योर्ड बिजनेस लोन) पर प्रोसेसिंग फीस में 0.50त्न की छूट और गाड़ी खरीदने के लिए व्हीकल लोन की प्रोसेसिंग फीस पर 50त्न की छूट के साथ ही त्यौहारों से जुड़ी योजनाओं में कार और होम लोन पर भी आकर्षक ब्याज दरें दी जा रही हैं।

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर Koo App और फोर्टिस नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। मानसिक स्वास्थ्य हमारे लिए कितना जरूरी है इस मुद्दे पर लोग खुल कर बात करने लगे हैं। कोई्ई अगर बात राजनीति, बॉलीवुड या क्रिकेट की हो, तो कोई भी अपनी राय देने में हिचकिचाता नहीं है। रविवार पूरे दिन देसी माइक्रोब्लॉगिंग Koo App पर लोगों ने #MentalHealthZarooriHai हैशटैग का इस्तेमाल कर धडल्ले से अपनी राय और सुझाव शेयर किए। यह हैशटैग पूरे दिन ट्रेंड करता रहा। लोगों ने विश्व मानसिक दिवस के खास मौके पर अपने विचार और इससे बचने के तरीकों पर खुलकर राय रखी। देसी माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए फोर्टिस नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम, फोर्टिस हेल्थकेयर के साथ एक मुहिम चलाई, जिसमें तमाम बडे राजनेताओं, खिलाडि़यों, आध्यात्मिक गुरुओं और बॉलीवुड जगत के जाने-माने लोगों ने अपने सुझाव, सलाह और मानसिक स्वास्थ्य से जुडे सीक्रेट्स लोगों के साथ शेयर किए।

अमेजन ने की प्राइम फाइडे की पेशकश

बेंगलुरु, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। अमेजन इंडिया ने आज इस ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान प्राइम मेंबर्स के लिए 'प्राइम फ्राइडे' को पेश करने की घोषणा की है। महीने भर चलने वाले त्योहारी जश्न के दौरान 8 अक्टूबर से शुरू होने वाले प्राइम फ्राइडे में प्राइम मेंबर्स आकर्षक ऑफर्स, शानदार बचत, सभी श्रेणियों में शॉपिंग बेनेफिट्स, प्राइम वीडियो और प्राइम म्यूजिक पर मनोरंजन और बहुत कुछ का आनंद ले सकते हैं। प्राइम फ्राइडे एक दिन में सबसे बेहतर प्राइम को अपने साथ लेकर आता है, जब प्राइम मेंबर्स स्मार्टफोंस, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, एप्लाएंसेस, अमेजन डिवाइसेस, फैशन और ब्यूटी, होम एंड किचन, फर्नीचर, दैनिक आवश्यक वस्तुओं और अन्य सहित सभी श्रेणियों पर आकर्षक ऑफर्स और बचत के साथ एक्सटेंडेड वारंटी और स्क्रीन रिप्लेसमेंट, नो कॉस्ट ईएमआई विकल्प, पे रिवार्ड, प्राइम वीडियो पर न्यू रिलीज और ट्रेलर्स, प्राइम म्यूजिक पर दिवाली स्पेशल प्लेलिस्ट, प्राइम एक्सक्लूसिव कैशबैक और अमेजन फूड पर टॉप रेस्टॉरेंट्स से फ्री डिलीवरी आदि का लाभ उठा सकते हैं। प्राइम फ्राइडे इस त्योहारी सीजन को और अधिक मजेदार और सुविधाजनक बनाने के लिए बेहतरीन खरीदारी, बचत और मनोरंजन की पेशकश करता है।

उड़ान की मेगा भारत सेल में छोटे रिटेलर्स और किराना स्टोर्स को बड़ी बचत और छूट का ऑफर

बेंगलुरु ,11 अक्टूबर (एजेन्सी)। अगस्त में मेगा भारत सेल के पहले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, भारत के सबसे बड़े बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उड़ान के फूड बिजनेस ने आज मेगा भारत सेल दूसरे संस्करण की घोषणा की। मेगा भारत सेल देश भर में किराना स्टोर्स और छोटे रिटेलर्स के लिए भारत की सबसे बडी ई-बी2बी सेल इवेन्ट है। आने वाले फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए मेगा भारत सेल उड़ान प्लेटफॉर्म पर 6 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक ऑफर की जाएगी। मेगा सेल अवधि के दौरान, देश भर के छोटे रिटेलर्स और किराना स्टोर्स के मालिकों को 100 से अधिक ब्रांड्स तथा छोटे और बड़े फास्ट मूविंग कंयूमर गुड्स (एफएमसीजी) ब्रांड्स के 5,000 से अधिक एसकेयू (स्टॉक-कीपिंग यूनिट्स) के क्वालिटी प्रोडक्ट्स के व्यापक चयन करने और भारी बचत की सुविधा लेने का अवसर मिलेगा। उड़ान के फूड बिजनेस में एफएमसीजी, स्टेपल और फ्रेश प्रोडक्ट्स शामिल हैं और यह वर्तमान में प्रमुख शहरों / कस्बों में किराना, पेय पदार्थ, अनाज, दालें, मसाले, खाद्य तेल, होम और पर्सनल केयर, फ्रेश एवं डेयरी केटेगरी में 20,000 से अधिक प्रोडक्ट्स ऑफर करता है। मेगा भारत सेल के दौरान रिटेलर्स को पेश किए गए विभिन्न रिवार्डस और लाभ योजनाओं के जरिये खरीदारी और विशाल बचत करने का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इन योजनाओं के तहत सभी फूड एवं एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की रेंज में सभी आवश्यक प्रोडक्ट्स पर बड़ी छूट से लेकर हर दिन विशेष ऑफ़र, एश्योर्ड इंस्टैंट कैश डिस्काउंट्स और 'विशेष त्योहार पैक्स' जैसे ऑफर शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर की इस मेगा सेल से लाखों छोटे रिटेलर्स और किराना स्टोर्स, विशेष रूप से टियर 2, 3 शहरों / कस्बों, के मालिकों को फायदा होगा। यह सेल उड़ान प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध भारत के छोटे मैन्युफैक्चरर्स को अपने प्रोडक्ट्स बेचने के लिए देश भर के लाखों खरीदारों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने का अवसर भी प्रदान करेगी।

एनआईआईटी ने 264 छात्रों को डिग्री प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया

नीमराना, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। समाज के उभरते क्षेत्रों में ज्ञान, उच्च शिक्षा और लर्निंग क्षेत्र इनोवेटिव तरीके से रूझान उत्पन्न करने के उद्देश्य के साथ स्थापित नॉन प्रॉफिट एनएनआईटी यूनिवर्सिटी (एनयू) कोविड-19 महामारी से उत्पन्न सुरक्षा नियमों को ध्यान में रखते हुए वर्चुयुलिटी मोड पर अपना 11वां दीक्षान्त समारोह आयोजित किया। इस वर्चुयअल दीक्षान्त समारोह में स्नातक छात्रों और उनके अभिभावकों तथा वर्तमान छात्रों, बिजनेस लीडर्स, विशिष्ट अतिथियों एवं फैकल्टी सदस्यों ने शिरकत की। दीक्षांत समारोह सुबह 11 बजे शुरू हुआ। प्रत्येक स्नातक ने इस अवसर पर एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो राजेश खन्ना और ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ अरुणाभा घोष से डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. घोष ने छात्रों को संबोधित किया।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र एस पवार, संस्थापक,एनयू और अध्यक्ष,एनआईआईटी लिमिटेड ने कहा, गर्मी सभी छात्रों को दिल से बधाई देता हूं और भविष्य में उनकी जबरदस्त सफलता की कामना करता हूं। मुझे विश्वास है कि इस यूनिवसिटी में उन्हें जो उद्योग-प्रासंगिक और शोध-आधारित शिक्षा मिली है, वह जीवन भर उनका मार्गदर्शन करेगी। एनयू में उन्होंने जो सबक सीखा, वह उन्हें संकट के समय भी लम्बे समय तक खडे रहने में मदद करेगा।'' मुख्य अतिथि डॉ अरुणाभा घोष ने सभी छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने छात्रों को प्रकृति के साथ एक होने की शिक्षा देते हुए नवीनतम तकनीक से परिचित कराने के लिए टीम एनयू को बधाई दी। उन्होंने सतत विकास में एनयू द्वारा की गई विभिन्न पहलों की सराहना की।

इस मौक पर एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. राजेश खन्ना ने कहा, ''एनआईआईटी यूनिवर्सिटी में यह हमारे लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हम अपने

ग्यारहवें बैच के छात्रों को स्नातक कर रहे हैं, और वे दुनिया के कुछ बेहतरीन संगठनों और संस्थानों में शामिल होने की राह पर हैं। मैं सभी छात्रों को दिल से बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में उनकी सफलता की कामना करता हूं। हमें खुशी है कि एनयू ने एक बार फिर उन योग्य छात्रों के लिए शत प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया है जिन्होंने प्लेसमेंट का विकल्प चुना है। एनआईआईटी यूनिवर्सिटी (एनयू), भारत में सबसे हरे और सबसे पर्यावरण के अनुकूल परिसर में से एक है, जो प्रासंगिक उद्योग सम्बन्धों के निर्माण और मजबूत अनुसंधान क्षमताओं को विकसित करने पर अपने ध्यान के माध्यम से, ज्ञान अर्थव्यवस्था की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्कृष्टता के संस्थान के रूप में संकल्पित, एनयू चार मुख्य सिद्धांतों के आधार पर असाधारण शिक्षा प्रदान करता है जो सीखने को उद्योग से जुडे, प्रौद्योगिकी-आधारित, अनुसंधान-संचालित और निर्बाध बनाते हैं। महामारी के बाद से पिछले 18 महीनों में, जैसा कि हमें एक ऐसी दुनिया में धकेल दिया गया था, जहां प्रौद्योगिकी मुख्य आधार बन गई थी, एनयू छात्रों को तकनीकी प्रगति के बराबर रखते हुए समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है कि छात्र उद्योग के लिए तैयार हैं क्योंकि वे आज के गतिशील वातावरण में काम करने के लिए स्नातक हैं।

11वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न प्रोग्राम्स को सफलतापूर्वक पूरा करने पर 264 छात्रों को डिग्री प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

कारोबार समाचार

जल्द आएगी एक और एयरलाइन कंपनी

एयरलाइन कंपनी आकाश की एयरबस के साथ एयरक्रोट खरीदने को लेकर बातचीत जारी

मुंबई। मार्केट के बिग बुल कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली एयरलाइन कंपनी आकाश के साथ एयरबस की बातचीत चल रही है। यह बातचीत एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोप की एक प्लेन कंपनी के एक सीनियर अधिकारी ने इस मामले के बारे में बताया है। पिछले दो महीने से ऐसी कई रिपोर्ट सामने आ रही हैं जिसके मुताबिक आकाश अपने बेड़े के लिए B737 Ma& प्लेन खरीदने के लिए अमेरिकी प्लेन कंपनी एयरबस से बातचीत कर रहा है। एयरबस का A320 सीरीज सीरीज बोइंग के B737 सीरीज के प्लेन को टक्कर देंगे। एयरबस की योजना बोइंग के ऑफर पर काउंटर ऑफर देने की बात पूछने पर एयरबस के चीफ कमर्शियल ऑफिसर क्रिस्टियन शेरर ने कहा कि हम काउंटर ऑफर नहीं करते हैं। लेकिन हां, हम आकाश के साथ बातचीत कर रहे हैं ICCO क्रिस्टियन शेरर ने कहा कि यह पूरी तरह प्राइवेट हैं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि आप जब भारत में कोई एयरलाइन कंपनी शुरू करते हैं तो आप क्या बेचमार्क चाहते हैं। क्या ये लाजिमी नहीं है। है ना! यह इंडिगो या कुछ हद तक गो फर्स्ट और स्पाइसजेट है। लेकिन निश्चित तौर पर इसमें इंडिगो आगे है। उन्होंने कहा कि इंडिगो भारत की सबसे कामयाब एयरलाइन कंपनी है। भारत के 50% मार्केट शेयर पर इसका कब्जा है। आकाश एयरलाइन कंपनी में दिग्गज इन्वेस्टर राकेश झुनझुनवाला का पैसा लगा है। इस एयरलाइन कंपनी के बोर्ड में इंडिगो के पूर्व प्रेसिडेंट आदित्य घोष शामिल हैं। इसका मकसद 2022 की गर्मियों तक देश में कामकाज शुरू करना है। कंपनी की योजना अगले चार साल में 70 प्लेन के साथ उड़ान भरने की है।

एफपीआई ने अेटूबर में अबतक भारतीय बाजारों में 1,997 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय बाजारों में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। एफपीआई ने एक से आठ अक्टूबर के दौरान भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 1,997 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ऐसे में दीर्घावधि की दृष्टि से भारत एफपीआई के लिए आकर्षक निवेश गंतव्य बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अक्टूबर में शेयरों में 1,530 करोड़ रुपये तथा ऋण या बांड बाजार में 467 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 1,997 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों में 26,517 करोड़ रुपये और अगस्त में 16,459 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा,हाल के सप्ताहों में एफपीआई ने बैंकिंग क्षेत्र से अपना निवेश निकाला है और आईटी क्षेत्र में निवेश बढ़ाया है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि दीर्घावधि के परिप्रेक्ष्य से भारत एक महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य बना हुआ है। भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश प्रवाह नियमित अंतराल पर जारी है।

बैंक अकाउंट से पैसे चोरी होने का है डर? ऐसे बनाएं मजबूत पासवर्ड

नई दिल्ली। कोरोना संकट के बीच बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले में कई गुना की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड के चलते ऑनलाइन लेनदेन में उछाल आने से बैंकिंग धोखाधड़ी बढ़ी है। इस संकट को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने लोगों को नेटबैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग का मजबूत पासवर्ड बनाने की सलाह दी है जिसको हैकर आसानी से तोड़ असंभव हो। एसबीआई ने बताया है कि आठ तरीकों से अपना पासवर्ड मजबूत कैसे बना सकते हैं। कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से जुलाई 2021 तक पांच हजार से अधिक महामारी से संबंधित फिशिंग वेबसाइटें सामने आई हैं, जिन्हें नकली भुगतान ऑफर और रियायती कोविड परीक्षणों के माध्यम से उपभोक्ताओं की जानकारी चुराने के लिए डिजाइन किया गया है। बीते हफ्ते आई एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में लगभग 73 प्रतिशत संगठनों या कंपनियों को अगले 12 महीनों में डेटा चोरी होने का खतरा है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि आप मजबूत बैंकिंग पासवर्ड का इस्तेमाल करें।

Nifty पहली बार 18000 हजार के पार, या ऊंचाई से फिसलेगा बाजार?

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले दिन शानदार शुरुआत हुई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक Nifty पहली बार 18,000 के स्तर पर पहुंचा है। खबर लिखे जाने के समय निफ्टी 133.1 अंक की तेजी के साथ 18,028.20 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी बनी हुई है। वहीं, सितंबर तिमाही में कमजोर नतीजों के कारण टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट का रुझान बना हुआ है। बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स फिलहाल 380.22 अंक की तेजी के साथ 60,439.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार की सतर्क शुरुआत हुई है। बीएसई का 30 स्टॉक्स वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स महज 40 अंकों की बढ़त के साथ 60099 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 17867 के स्तर से आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन को शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 42 अंकों के नुकसान के साथ 60000 के ऊपर था, जबकि 2 अंकों की तेजी के साथ निफ्टी 17897के स्तर पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी टॉप गेनर की लिस्ट में आज कोल इंडिया के शेयर थे। वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में आज भी 3.54 फीसद की उछाल देखी जा रही है। इनके अलावा ओएनजीसी, पावरग्रिड और मारुति के शेयर थे। अगर टॉप लूजर की बात करें तो आईटी कंपनियां ही इसमें हैं। टीसीएस, एचसीएल टेक, विप्रो, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा टॉप 5 में थे। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर अभी कच्चे तेल में उबाल आया हुआ और अमेरिका के तेल निर्यात पर अंकुश लगाने से इसमें और तेजी आने की आशंका है। इसका असर वैश्विक स्तर पर होगा और भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रह सकता है।

बाजार खुलते ही बड़ा झटका

कुछ ही मिनटों में 1 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली। इनवेस्टर्स को सोमवार सुबह तगड़ा झटका लगा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में सोमवार सुबह 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई, जिससे निवेशकों को 1 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेज गिरावट इस वजह से आई, क्योंकि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (सितंबर क्वॉर्टर) में कंपनी का रेवेन्यू और मार्जिन एनालिस्ट्स के एस्टिमेट्स (अनुमान) से कहीं कम रहा है।

तेजी से घटा कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन-शेयरों में तेज गिरावट के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर 13,62,564 करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार को BSE में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैपिटलाइजेशन 14,55,687 करोड़ रुपये था। फिलहाल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर बीएसई में 5.52 फीसदी की गिरावट के साथ 3,718 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे हैं।

कुछ ऐसा रहा TCS का तिमाही परफॉर्मेंस-सितंबर 2021 तिमाही में टीसीएस का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट बढ़कर 9,624 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 8,433 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी का EBIT मार्जिन तिमाही दर तिमाही आधार पर 10 बेसिस प्वाइंट के सुधार के साथ 25.6 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, कॉन्सटैंट करेंसी टर्म्स में तिमाही दर तिमाही आधार पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का रेवेन्यू 4 फीसदी बढ़ा है।

2-3 तिमाही तक हाई रह सकता है एट्रिशन रेट-ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल का कहना है कि कंपनी मैनेजमेंट ने संकेत दिया है कि निकट भविष्य में मार्जिन में नरमी देखने को मिल सकती है, जिसकी वजह सप्लाई-साइड चैलेंज हैं। ब्रोकरेज हाउस ने 3,770 रुपये के टारगेट के साथ कंपनी के स्टॉक को न्यूट्रल रेटिंग दी है। सितंबर तिमाही में टीसीएस का एट्रिशन रेट बढ़कर 11.9 फीसदी हो गया है, जो कि जून तिमाही में 8.6 फीसदी था। अगली दो-तीन तिमाही तक हाई एट्रिशन रेट बना रह सकता है। एक दूसरे ब्रोकरेज हाउस निर्मल बांग का कहना है कि टैलेंट कॉस्ट, क्रॉस करेंसी इम्पैक्ट और इनवेस्टमेंट्स का असर मार्जिन पर पड़ा है। ब्रोकरेज हाउस ने 3,772 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक को एक्युमुलेट रेटिंग दी है। वहीं, ब्रोकरेज हाउस प्रभुदास लीलाधर ने 4,113 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक को बाय रेटिंग दी है।

बिजली संकट पर राहत की खबर: केंद्रीय ऊर्जा मंत्री बोले- देश में कोयले की कमी नहीं, पॉवर प्लांट्स के पास 24 दिन का कोल स्टॉक मौजूद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत 6 राज्यों में बिजली संकट की आहट शुरू हो गई है। राज्यों ने केंद्र सरकार से बिजली संकट से निपटने के लिए कोटा के हिसाब से राज्य की कोयला आपूर्ति को बढ़ाने की मांग की है। दिल्ली के बिजली मंत्रालय BSES और टाटा पावर के अधिकारियों ने बिजली प्लांट में कोयले की कमी को लेकर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह से मुलाकात की। ऊर्जा मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि दिल्ली को आवश्यक बिजली सप्लाई हो रही है और वो आगे भी जारी रहेगी। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जोशी ने भी कहा कि मोदी सरकार सभी को आश्वस्त कर रही है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने का कोई खतरा नहीं है। कोल इंडिया लिमिटेड के पास 24 दिन की कोयले की मांग के बराबर 43 मिलियन टन कोयले का पर्याप्त स्टॉक है। थर्मल पावर प्लांट्स में रोलिंग स्टॉक दैनिक आपूर्ति के साथ भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मानसून की वापसी के साथ, आने वाले दिनों में कोयले की खेप बढ़ने से कोयले का स्टॉक बढ़ जाएगा। कोयले का पर्याप्त भंडार है, डरने की जरूरत नहीं है। सिंह ने भी कहा - बिजली की कमी नहीं होगी। हमारे पास एक औसत कोयला भंडार (पावर स्टेशन पर) है जो 4 दिन से अधिक समय तक चल सकता है। स्टॉक हर दिन भर दिया जाता है। मैं केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी के संपर्क में हूं।

दशहरा से ठीक पहले पूरा देश हुआ इस कार का दीवाना, महज 2 दिनों में 50000 लोगों ने किया बुक

नई दिल्ली। Mahindra XUV700 (महिंद्रा एक्सयूवी700) का जादू सिर चढ़कर बोलने लगा है। इस एसयूवी ने भारतीय बाजार में 50000 बुकिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने इसकी दूसरे राउंड की बुकिंग शुरू की थी, जिसके बाद 25,000 ग्राहकों ने इसे बुक कर लिया। इससे पहले 7 अक्तूबर को महज 57 मिनट के अंदर इसकी 25,000 बुकिंग (Mahindra XUV700 booking) हो गई थी। वही, जब 8 अक्तूबर को इसकी दोबारा बुकिंग शुरू हुई तो 2 घंटे के अंदर इसके 25,000 यूनिट्स बुक हो गए। ऐसे में महज 2 दिन के अंदर Mahindra XUV700 ने 50000 बुकिंग का जादूई आंकड़ा पार कर लिया है। खास बात यहां यह है कि दूसरे राउंड में 25000 यूनिट्स की तब बुकिंग हुई है, जब महिंद्रा एंड महिंद्रा (Mahindra & Mahindra) ने अपनी Mahindra XUV700 (महिंद्रा एक्सयूवी700) की कीमतों को 50,000 रुपये महंगा कर दिया है। कंपनी की तरफ से बताया गया है इन 50,000 गाड़ियों से उसकी 10,000 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।

पेट्रोल के बाद डीजल भी अब अधिकतर शहरों में 100 रुपये प्रति लीटर के पार, अेटूबर में पेट्रोल 2.80 व डीजल 3.30 रुपये उछला

नई दिल्ली। इस अक्टूबर में अगर पिछले सोमवार को छोड़ दिया जाए तो पेट्रोल और डीजल के दाम हर रोज बढ़े हैं। सिर्फ इसी महीने के 11 दिन में पेट्रोल, जहां 2.80 रुपये महंगा हो गया है, वहीं डीजल 3.30 रुपये उछल गया है। आज यानी सोमवार को भी सरकारी तेल कंपनियों ने डीजल के दाम में प्रति लीटर 35 पैसे की बढ़ोतरी की। पेट्रोल भी 30 पैसे प्रति लीटर महंगा कर दिया गया। दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल प्रति लीटर 104.44 व डीजल 93.18 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

डीजल ने भी बनाया शतक-मुंबई और हैदराबाद के बाद गुजरात की राजधानी गांधीनगर तथा संघ शासित प्रदेश लेह में डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया है। गांधीनगर में अब डीजल 100.63 रुपये प्रति लीटर और लेह में 100.44 रुपये प्रति लीटर हो गया है। भोपाल, रायपुर और जयपुर जैसी अन्य राज्यों की राजधानियों में डीजल 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक बिक रहा है।

राजधानियों में रांची ही राहत में-लगातार मूल्यवृद्धि के बाद अब एक राज्य की राजधानी को छोड़कर अन्य स्थानों पर पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है। देहरादून, चंडीगढ़ और गुवाहाटी भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। सिर्फ रांची एकमात्र राजधानी है, जहां पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से कम है। लगातार पांच दिन से पेट्रोल के दाम 30 पैसे प्रति लीटर बढ़ रहे हैं। वहीं डीजल कीमतों में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो रही है।

पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट्स

शहर का नाम	पेट्रोल रुपये/लीटर	डीजल रुपये/लीटर
दिल्ली	104.44	93.18
मुंबई	110.38	101
चेन्नई	101.76	97.56
कोलकाता	105.05	96.24
भोपाल	112.96	102.25
रांची	98.89	98.3
बेंगलुरु	108.04	98.85
पटना	107.6	99.68
चंडीगढ़	100.49	92.86
लखनऊ	101.43	93.57
नोएडा	101.7	93.8

स्रोत: एचपीसीएल

इस समय कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर से 82 डॉलर के पार पहुंच गई है। इसलिए सभी पेट्रोलियम पदार्थ महंगे हो रहे हैं। एक ओर कच्चे तेल की मांग बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर इसकी सप्लाई का सही इंतजाम नहीं है। इसी वजह से पिछले सप्ताह अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाजार डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें करीब ढाई फीसदी चढ़ गई। नवंबर 2014 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है।

पीरामल एंटरप्राइजेज से अलग होगा कंपनी का दवा कारोबार, बोर्ड ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। पीरामल एंटरप्राइजेज लि. (पीईएल) ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने कंपनी के दवा कारोबार को अलग करने और वित्तीय सेवाओं एवं दवा से जुड़ी दो सूचीबद्ध इकाइयों के निर्माण के लिए एक समग्र योजना को मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के कॉरपोरेट ढांचे को सरल बनाना है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दवा कारोबार पीरामल एंटरप्राइजेज से अलग हो जाएगा और पीरामल फार्मा में मिल जाएगा। अलग किए जाने के बाद पीरामल फार्मा एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध बड़ी दवा कंपनियों में से एक बन जाएगी। कंपनी ने कहा, अलग किए जाने की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए, पीरामल फार्मा लि. (पीपीएल) शेयर पात्रता अनुपात के अनुरूप पीईएल के शेयरधारकों को दो रुपये के अंकित मूल्य वाले पीईएल के प्रत्येक एक पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर के लिए 10 रुपये के पीपीएल के चार इक्विटी शेयर जारी करेगी। इसमें कहा गया है कि पीरामल फार्मा के पूर्ण स्वामित्व वाली दो कारोबारी अनुषंगियों का भी पीरामल फार्मा लिमिटेड में विलय किया जाएगा ताकि कॉरपोरेट ढांचे को और सरल बनाया जा सके। पीरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, पीरामल एंटरप्राइजेज ने एक सूचीबद्ध होल्डिंग कंपनी संरचना के तहत विविध कारोबारों के साथ कई गुना वृद्धि की है।

सोना करीब 9500 रुपये सस्ता, त्योहारी सीजन में आभूषण विक्रेताओं की अच्छी सेल की बढ़ी उेमीद

नई दिल्ली। दशहरा, करवा चौथ, दिवाली, छठ जैसे आने वाले त्योहरों को लेकर कारोबारी उत्साहित हैं। वहीं, सर्राफा बाजारों में भी इसबार रौनक की उम्मीद है, क्यों सोना-चांदी के भाव में काफी गिरावट आ चुकी है। पिछले साल कोरोना संकट की वजह से सोने की बिक्री में गिरावट आई थी, लेकिन इस साल देश में टीकाकरण बढ़ने, कोरोना का प्रसार घटने और सोने की कीमतें कम होने से आभूषण विक्रेताओं को त्योहारों पर बिक्री में तेज इजाफा होने की उम्मीद है। उनका कहना है कि इससे बहुत हद तक भरपाई होने की आस है। बता दें अपने उच्चतम रेट से सोना करीब 9500 रुपये सस्ता है।

कोरोना ने बिगाड़ा था पिछले साल खेल-सोने की खरीदारी को लेकर भारतीय उपभोक्ताओं में परंपरागत आकर्षण रहा है। शादी-विवाह से लेकर त्योहारों में वह सोना खरीदना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले साल कोरोना संकट की वजह से देश में ज्यादातर समय आभूषण की दुकानें बंद रहीं। पिछले साल त्योहारी सीजन में जो लोगों ने ने सोने की खरीदारी की लेकिन उन्होंने गोल्ड ईटीएफ, ई-गोल्ड और गोल्ड बांड जैसे डिजिटल गोल्ड को तरजीह दी। इससे आभूषण विक्रेताओं को निर्माताओं को तगड़ा झटका लगा। लेकिन कोरोना के मामले घटने से इस बार त्योहारी सीजन में आभूषण विक्रेताओं को पिछले साल की भरपाई होने हो जाने की उम्मीद है।

इस वजह से भी बढ़ी है उम्मीद-अंतिम तिमाही त्योहारों की होती है। इसमें, भारतीय आमतौर पर शादी के समारोहों के लिए सोने के आभूषणों की खरीद को बढ़ावा देते हैं, जबकि दिवाली या रोशनी के त्योहार के साथ समाप्त होने वाले समारोहों की एक शृंखला के दौरान निवेश के लिए सिक्कों और बार की बिक्री में वृद्धि होती है, जो इस साल नवंबर में पड़ रहे हैं। ऐसे में आभूषण विक्रेताओं को त्योहारों का मौसम चहल-पहल भरा रहने की उम्मीद है। साथ ही महामारी से राहत का मतलब है कि वब अपनी सबसे आकर्षक बिक्री अवधि में रिकवरी कर सकते हैं।

सस्ता सोना बढ़ा सकता है आकर्षण-पिछले साल महामारी की मार और कीमतें 55 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच जाने से त्योहारों के साथ कुल बिक्री में भारी गिरावट आई थी।

लोन स्विच करने पर आपको स्विचिंग फीस और प्रोसेसिंग फीस देनी पड़ सकती है

आपने लोन लिया है तो या फर्क पड़ेगा,अगर नया लोन लेने जा रहे हैं तो या करना चाहिए

मुंबई। रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो और रिवर्स रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 9 वीं बार है जब दरों को जस का तस रखा गया है। इससे पहले मई 2020 में रेपो रेट को घटाया गया था। इसके मायने ये हैं कि जिन लोगों ने कर्ज लिया है, वे अभी कुछ और समय तक कम ब्याज दरों का आनंद ले सकते हैं। पर जो लोग कर्ज लेना चाहते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए, हम बता रहे हैं।

2001 अप्रैल के बाद रेपो-रिवर्स रेपो सबसे कम-रिजर्व बैंक की 8 अक्टूबर को मौद्रिक नीति कमिटी (स्ष्ह्र) की 3 दिनों की बैठक खत्म हुई। रेपो रेट 4त्न पर और रिवर्स रेपो रेट 3.35त्न पर बरकरार है। रेपो रेट का यह लेवल 2001 अप्रैल के बाद सबसे निचला लेवल है। रिजर्व बैंक के फैसले के बाद ज्यादातर बैंक अभी निकट समय में ब्याज की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं करेंगे।

होम लोन में ब्याज दर काफी जरूरी फैक्टर-होम लोन जिन लोगों ने ले रखा है, उनके लिए ब्याज दर काफी जरूरी फैक्टर होता है। यही फैसला करता है कि कितना आप लोन का पेमेंट किस्त के रूप में कर सकते हैं। होम लोन सबसे लंबे समय का लोन होता है। कर्ज लेने वाले ज्यादातर लोग ब्याज दरों में कमी चाहते हैं।

नए लोन वालों को ज्यादा समय मिलता है-जो नए लोन लेने वाले लोग हैं उनको ज्यादा समय मिलता है। ज्यादातर होम लोन फ्लोटिंग रेट पर दिया जाता है। रिजर्व बैंक ने अक्टूबर 2019 से फ्लोटिंग रेट को अनिवार्य किया है। बैंक इसे अपने एक्सटर्नल बेंचमार्क जैसे रेपो रेट से जोड़ देते हैं। यानी इसका मतलब यह हुआ कि जब भी रेपो रेट घटेगा या बढ़ेगा, आपका ब्याज उसी आधार पर घटता बढ़ता रहेगा। यही फ्लोटिंग रेट है। चूंकि होम लोन अपने 20 साल के निचले स्तर पर है, इसलिए अभी भी सस्ते लोन का आनंद आप ले सकते हैं। इस बार रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, इसलिए जो लोग लोन लेने की योजना बना रहे हैं, वे अभी भी सस्ते ब्याज दर पर लोन ले सकते हैं।

पुराने लोन पर ज्यादा ब्याज देना होगा-जिन लोगों ने पहले ही होम लोन ले रखा है, उनके लिए आज के रिजर्व बैंक के फैसले का मतलब है कि आपको उसी दर से ब्याज चुकाना है, जिस पर आपने लोन लिया है। हालांकि अगर आपका होम लोन 5 साल पुराना है तो आपको इसके लिए ब्याज दरों को एक बार चेक करना चाहिए।

जिस दर पर लोन लिया है, उसे चेक करें-आपको जिस दर पर होम लोन मिला है, पहले आप उसे एक बार चेक करें। यानी पांच साल पहले आप कितनी किस्त दे रहे थे और अभी कितनी दे रहे हैं। अगर आपका होम लोन एक्सटर्नल बेंचमार्क से लिंक नहीं है तो आप इसे लिंक करा सकते हैं। हो सकता है कि आप इसकी वजह से ज्यादा ब्याज दे रहे हों। आप बैंक से चेक करें और अगर ऐसा है तो आपको तुरंत इसे एक्सटर्नल बेंचमार्क से लिंक करना चाहिए या फिर दूसरे बैंक में लोन को शिफ्ट करना चाहिए।

लोन स्विच करने की फीस भी देनी होगी-दूसरे बैंक में लोन को स्विच करने के लिए आपको कुछ फीस भी देनी होगी। इससे पहले प्रोसेसिंग फीस भी चेक करनी होगी। अगर प्रोसेसिंग फीस मामूली है तो आपको लोन स्विच करने के बारे में सोचना चाहिए, पर ब्याज दरों की भी तुलना कर लेनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि सब मिलाकर फायदा हो रहा है, तो फिर लोन स्विच कर लेना चाहिए। जानकारों का मानना है कि अगर ब्याज दरों में आधा पर्सेंट का अंतर है तो लोन को स्विच कर देना चाहिए।

पुराना लोन है तो स्विच कर सकते हैं-अगर आपने पहले से लोन लिया है तो फिर आप उसे दूसरे बैंक में स्विच कर सरते हैं।

दैनिक भोर

संपादकीय

महानायकों की अनमोल विरासत

गांधी और दीनदयाल के सिद्धांतों पर आधारित जेपी और नानाजी का रास्ता हमारे लिए एक सही विकल्प दिखता है। लोकनायक और राष्ट्र ऋषि के रूप में एक विचार और भविष्य के सूत्र देता है तो दूसरा उसे धरातल पर उतारकर श्रेष्ठ भारत की इमारत खड़ी करने के प्रयोग करता है।

जब हम आजादी के अमृत महोत्सव का संदर्भ लेते हैं, तो आजाद भारत के लिए सामाजिक परिवर्तन, उचित अर्थनीति, राजनीति तथा शिक्षा की कल्पना करने वाले दो महान व्यक्तित्व लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानी जेपी और राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख एक साथ उभरकर सामने आते हैं। दोनों के बीच अद्भुत समानता है। पहली यही कि दोनों का जन्मदिन 11 अक्टूबर को पड़ता है। दोनों ने 1975 में भारत की दूसरी आजादी की लड़ाई साथ-साथ लड़ी। एक का नेतृत्व था, तो दूसरे का संगठन कौशल। दोनों नायकों में एक और विशेष समानता यह है कि उन्होंने राजनीति में सक्रिय रहते हुए चुनावी राजनीति से अलग होकर समाज रचना के नए प्रयोग किए। दोनों ही औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त भारत की निर्मिति के लिए समग्र क्रांति की अवधारणा को स्वीकार करते हैं। दोनों का भारत गांवों में है। दोनों ही भारत के श्रमिकों को, खेतिहर मजदूरों को भारत भाग्य विधाता के रूप में देखते हैं। इन सबसे ऊपर वे गांधी और दीनदयाल की परंपरा को स्वीकृति देते हुए भारत के मूल अधिष्ठान को आध्यात्मिक मूल्यों में देखते हैं। ये आध्यात्मिक मूल्य ऐसे हैं जिनमें समग्र क्रांति का एक गीत बरबस याद आता है, 'मंदिरों, मस्जिदों में नहीं, जहां श्रम करे हाथ, भगवन वहीं'। यह उन युवाओं का प्रिय गीत रहा जो स्वयं को समाज शिल्पी के रूप में सांस्कृतिक परिवर्तन के ध्वजवाहक के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे।लोकनायक और राष्ट्र ऋषि के रूप में एक विचार और भविष्य के सूत्र देता है तो दूसरा उसे धरातल पर उतारकर श्रेष्ठ भारत की इमारत खड़ी करने के विविध प्रयोग प्रारंभ करता है। स्वाभाविक तौर पर राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के साथ लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद करना स्वतंत्र भारत के इतिहास के उस विशिष्ट कालखंड को याद करना है जिसमें जयप्रकाश के बिगुल ने तरुणाई को जगाया और समग्र क्रांति की संभावनाओं को स्वर दिया। 1977 में समग्र क्रांति का यह अभियान जब राजनीति के खांचे में आकर सत्ता परिवर्तन के रूप में सिमटने लगा तो नानाजी ने केंद्र में मंत्री बनने के बजाय उत्तर प्रदेश के अत्यंत पिछड़े इलाके गोंडा के एक गांव में समाज शिल्पी बनना स्वीकार किया। बेहतर भविष्य की आस में उन्होंने 'जयप्रभा' ग्राम की नींव रखी। समाज विज्ञान के सिद्धांतों के गठन के ध्येय से दिल्ली में दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान स्थापित किया। वस्तुतः गांधी, जयप्रकाश और दीनदयाल इन तीनों को मूर्तिमान रूप में नानाजी के जीवन में देखा जा सकता है। जब मिश्रित अर्थव्यवस्था और समाजवादी झुकाव वाले राज्य के कारण संवेदना से संपूरित समाज रचना ओझल हो रही थी, तब उन्होंने विभाजित समाज को साधकर प्रतीति कराई कि गांव बढ़ेगा तभी भारत बढ़ेगा।समग्र क्रांति में समाज परिवर्तन, शिक्षा परिवर्तन, व्यवस्था परिवर्तन और राजसत्ता परिवर्तन की अपनी अवधारणा को स्पष्ट करते हुए जेपी ने अपनी बात रखी। हालांकि परिवर्तन के बाद सरकार में आए लोगों को लगा कि सत्ता मिलने के साथ ही प्रयोजन भी सिद्ध हुआ। बिल्कुल वैसे जैसे नेहरू और उनके साथियों को लगा था कि आजादी के बाद बात पूरी हो गई है और सत्ता सब कुछ बदलेगी। जेपी ने तब भी राजनीति से बाहर निरंतर समाज परिवर्तन के यत्न करने पर जोर दिया था। इसकी दुहाई दी थी कि समग्र परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं होना चाहिए, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण फिर से एक नया आंदोलन शुरू करने की स्थिति में वह नहीं थे। तब नानाजी संसदीय-चुनावी राजनीति से बाहर आए और उन्होंने ग्राम विकास का एक नया प्रयोग प्रारंभ किया। उसमें गांधी, विनोबा और दीनदयाल की समग्र दृष्टि दिखाई दी, जिसमें अंत्योदय के माध्यम से सवरेदय की संकल्पना चरितार्थ होने के बीज हैं। अंत्योदय और सवरेदय न तो राजसत्ता से आएगा और न ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों से। नौजवानों को समाज शिल्पी के रूप में आगे आना होगा। हजारों नौजवानों ने अपने वैयक्तिक जीवन के सुख और सपने छोड़कर समाज कार्य करना स्वीकार किया।एक ओर गोंडा के जयप्रभा गांव और उसके आसपास विकास का प्रयोग प्रारंभ हुआ तो दूसरी ओर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के अत्यंत पिछड़े बुंदेलखंड इलाके में ग्रामोदय की कल्पना साकार हुई। इसे न केवल सिद्धांतकार के रूप में प्रस्तुत किया गया, बल्कि सैकड़ों गांवों में खेती बदली, पढ़ाई बदली, परस्पर संबधों का स्वभाव बदला, भारतीयता, आध्यात्मिकता, संवेदनापूरित समता की मूल्यदृष्टि को समाज जीवन में चरितार्थ किया। आज जब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है तब ऐसी चरितार्थता का स्मरण करना आवश्यक प्रतीत होता है। कोरोना जनित सामाजिक अंतराल के इस कठिन कालखंड में सशक्त समाज की निर्मिति की चुनौती को देखते हुए यह जरूरी भी है। गांधी जी और दीनदयाल जी के सिद्धांतों पर आधारित जेपी और नानाजी का रास्ता हमारे लिए अहम और एकमात्र विकल्प बनकर उभरा है। हालांकि, प्रत्येक सिद्धांत काल की परिस्थितियों से प्रभावित होता है। जेपी और नानाजी ने गांधी, विनोबा और दीनदयाल जी के विचारों में आवश्यक एवं व्यावहारिक संशोधन कर सफल और सार्थक प्रयोग किए थे। भारत ने अब आत्मनिर्भरता का आह्वान किया है तो जेपी और नानाजी के बताए और दिखाए रास्ते हम सबकी सामूहिक स्मृति का हिस्सा बनते हैं। आज जब आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जेपी और नानाजी जैसे महापुरुषों को याद किया जा रहा है तब केवल उनके व्यक्तित्व का ही स्मरण नहीं, उनके कृतित्व, विचारों और मूल्यों को भी याद किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी प्रयास होना चाहिए कि उनके विचार और मूल्य भारतीय जीवन का अंग बन सकें। इससे ही अमृत महोत्सव की सार्थकता बढ़ेगी।

अंतरिक्ष में राजा चारी

भारत और इसके विज्ञान के लिए भी ये गौरव के क्षण हैं, जब भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री राजा चारी स्पेसएक्स-नासा सहयोगी क्रू-3 मिशन का नेतृत्व करेंगे। यह यान महीने के अंत में चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक ले जाने की तैयारी में जुटा है। इस अभियान के तहत राजा चारी, टॉम मार्शबर्न और कायला बैरोन के अलावा यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के यात्री मथायस मौरर भी अंतरिक्ष स्टेशन पर जाएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, चार अंतरिक्ष यात्री 31 अक्तूबर को फ्लोरिडा में नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से रवाना होंगे। अंतरिक्ष यात्री के रूप में राजा चारी के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि वह इस दल का नेतृत्व करेंगे। प्रारंभ से समापन तक वह अभियान के हर चरण के लिए जिम्मेदार होंगे। भारतीय पिता श्रीनिवास चारी तेलंगाना से अमेरिका गए थे और राजा चारी का जन्म वहीं हुआ है। वह अमेरिकी वायु सेना के पायलट हैं और साल 2017 में उनका चयन अंतरिक्ष यात्री के रूप में हुआ था। अब वह अपनी योग्यता के आधार पर ताजा अंतरिक्ष अभियान के कमांडर के रूप में चयनित हुए हैं। मिल्वौकी में जन्मे राजा चारी की यह पहली अंतरिक्ष उड़ान होगी। अमेरिकी वायु सेना में कर्नल राजा चारी को 2,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। वाकई अब 31 अक्तूबर पर दुनिया की निगाह होगी। गौर करने की बात है कि विगत 15 सितंबर को चार आम नागरिकों का दल अंतरिक्ष यात्रा पर गया था और उसे भी दुनिया में बहुत गौर से देखा गया था। अंतरिक्ष यात्री के रूप में दो साल तक प्रशिक्षण लेने के बाद दिसंबर 2020 में चारी को आर्टेमिस टीम का एक हिस्सा बनने के लिए चुना गया था, जो अंतरिक्ष यात्रियों का खास समूह है। यह अभियान 2024 में चंद्र सतह पर चहलकदमी के लिए पहली महिला और अगले पुरुष को भेजने से पहले की तैयारी की ही एक कड़ी है। बताया जा रहा है कि नासा को वर्षों बाद कोई ऐसा अंतरिक्ष यात्री मिला है।

सरकारी स्कूलों पर बढ़ता भरोसा

अचानक वह तेजी से बाहर निकली और 10 मिनट में बालों में दो खूबसूरत चोटियां बनाकर व स्कूली यूनीफॉर्म पहनकर स्कूल बैग के साथ वापस लौट आई। उसके चेहरे पर एक लंबी सी मुस्कान थी। वह कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों के समूह में घुल-मिल गई, 'योंकि उन सभी बच्चों की एक साथ लगाई जाने वाली कक्षा में ही वह पढ़ती थी। इस सरकारी स्कूल में कक्षा एक से पांच तक में 55 बच्चे हैं और शिक्षक दो। पिछले वर्ष मार्च में जब कोविड की वजह से स्कूल बंद किया गया था, तब यहां 39 छात्र थे। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है, 'योंकि अब गांव में इस आयु-वर्ग के सभी बच्चों ने इसी स्कूल में दाखिला ले लिया है, जबकि महामारी से पहले कुछ छात्र नजदीक के एक छोटे शहर के दो निजी स्कूलों में भी जाते थे।

वह नन्ही-सी बच्ची कुछ मिनटों के लिए चौखट पर खड़ी रही। फिर, अंदर आई और जिस मेज पर मैं बैठा था, उसके सहारे खड़ी हो गई। वह अब भी शांत थी। मानो कोई जल्दबाजी नहीं। कक्षा पहले की तरह चलती रही। दो मिनट की चुप्पी के बाद, मैंने उससे पूछा, 'क्या कर रही हो?' 'मैं देख रही हूं।' 'क्या देखा?' 'स्कूल तो चल रहा है, लेकिन खिड़की बंद है।'

फिर, चटकदार गुलाबी कपड़े पहने वह बच्ची कक्षा में सबसे आगे चली गई और एक कुरसी पर चढ़ गई, जो उसकी लंबाई के हिसाब के काफी ऊंची थी। जैसे ही शिक्षक की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने पूछा, 'मुनीरा, स्कूल क्यों नहीं आई आज?' 'खिड़की बंद, तो मुझे लगा स्कूल बंद, इसलिए देखने आई हूं।'

अचानक वह तेजी से बाहर निकली और 10 मिनट में बालों में दो खूबसूरत चोटियां बनाकर व स्कूली यूनीफॉर्म पहनकर स्कूल बैग के साथ वापस लौट आई। उसके चेहरे पर एक लंबी सी मुस्कान थी। वह कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों के समूह में घुल-मिल गई, क्योंकि उन सभी बच्चों की एक साथ लगाई जाने वाली कक्षा में ही वह पढ़ती थी। इस सरकारी स्कूल में कक्षा एक से पांच तक में 55 बच्चे हैं और शिक्षक दो। पिछले वर्ष मार्च में जब कोविड की वजह से स्कूल बंद किया गया था, तब यहां 39 छात्र थे। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है, क्योंकि अब गांव में इस आयु-वर्ग के सभी बच्चों ने इसी स्कूल में दाखिला ले लिया है, जबकि महामारी से पहले कुछ छात्र नजदीक के एक छोटे शहर के दो निजी स्कूलों में भी जाते थे। इन दोनों में से एक स्कूल तो हमेशा के लिए बंद हो गया, जबकि दूसरा चल रहा है, लेकिन ग्रामीणों का उस पर से भरोसा उठ गया है। मैंने जिन-जिन लोगों से बात की, उन सबमें निजी स्कूलों के प्रति अविश्वास व्यापक रूप से दिखा। मैंने बार-बार सुना कि महामारी ने निजी स्कूलों के चरित्र को बेपरदा कर दिया है। यहां मैं उन्हीं भावनाओं का सार परोस रहा हूं। दरअसल, निजी स्कूलों को जिस चीज की सबसे अधिक चिंता सता रही है, वह है फीस। पिछले 18 महीने के दौरान, उन्होंने बच्चों को व्यस्त रखने के अलावा कुछ और नहीं किया। इसके विपरीत, सरकारी स्कूलों के कई शिक्षक बच्चों के घर पर या गांव के चौपाल पर पहुंचे। कुछ तो नियमित रूप से ऐसा करते रहे। फिर भी, निजी स्कूल फीस मांगते रहे। कुछ ने जैसे-तैसे ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था शुरू की, लेकिन उन्हें भी पता है कि जब तक यह व्यवस्था अधिकांश बच्चों की पहुंच में नहीं हो, कारगर नहीं होगी। और, सवाल यह भी है कि जिन कुछ बच्चों की पहुंच ऑनलाइन माध्यमों तक है, क्या वे वास्तव में इससे कुछ सीख पाते हैं? मगर निजी स्कूलों को इसकी परवाह नहीं है, वे तो सिर्फ पैसा बनाना चाहते हैं। उन्हें बच्चों या उनकी पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे एक व्यवसाय चला रहे हैं। और यह हास्यास्पद ही है कि उद्योग चलाने के बावजूद वे सेवा न देने पर भी भुगतान मिलने की उम्मीद पालते हैं। वे लोगों को जबरन फीस देने की कहते हैं। इसीलिए, इन स्कूलों ने सभी का भरोसा खो दिया है। अगर उन्होंने फिर से कामकाज शुरू किया भी है, तो बच्चे स्थानीय सरकारी स्कूल में भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा, महामारी ने इस भावना को भी मजबूत किया है कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता आमतौर पर उनकी होने वाली आलोचनाओं से बेहतर होती है और निजी स्कूलों से अमूमन अच्छी है। निजी स्कूलों के प्रति भरोसे की कमी और महामारी के दौरान कई के बंद हो जाने के कारण सरकारी स्कूलों में दाखिले की दर बढ़ गई है। मुनीरा का गांव इसका एक आदर्श उदाहरण है। निजी स्कूलों के अनुभवों के विपरीत, उस गांव के सरकारी स्कूल का कोई एक शिक्षक पिछले 18 महीनों से नियमतः मोहल्ला कक्षाएं आयोजित करता रहा। शिक्षकों ने यह भी सुनिश्चित किया कि स्कूल में मध्याह्न भोजन योजना के तहत बनने वाला खाना बच्चों के घरों पर नियमित पहुंचे। लॉकडाउन के सबसे बुरे दौर में उन्होंने कई घरों को सूखे अनाज की भी मदद की। पिछले हफ्ते जब मैं इस पूरे क्षेत्र में घूम रहा था, तब मैंने देखा कि स्कूलों के फिर से खुलने पर हर सरकारी स्कूल में नामांकन कम से कम 20 प्रतिशत बढ़ गया है। बढ़ते नामांकन के कारण सरकारी स्कूली तंत्र में नई ऊर्जा का प्रवाह हुआ है। इसका प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाना चाहिए, ताकि जिस अभूतपूर्व शैक्षणिक आपात स्थिति से हम जूझ रहे हैं, उनसे निपटा जा सके। पिछले 18 महीनों में बच्चों की समझ के स्तर पर हुए नुकसान की हमें भरपाई करनी है। इसके अलावा, हमें भारत के कमजोर तबकों के बच्चों में स्कूल छोड़ने की दर बढ़ने के कारण पैदा होने वाले संकट से भी पार पाना है। ऐसे संभावित बच्चों की पहचान करके और लक्षित कार्रवाई करके यह प्रवृत्ति रोकी जा सकती है। देखा जाए, तो सभी निजी स्कूल खराब नहीं हैं। कई अच्छी गुणवत्ता वाले हैं और वे बच्चों की शिक्षा और खैरियत के बारे में चिंतित हैं। मगर सच यही है कि ज्यादातर निजी स्कूल केवल अपना व्यावसायिक हित साधना चाहते हैं। निस्संदेह, महामारी ने हमारे मूल चरित्र को उजागर किया है। हमारी व्यक्तिगत आकांक्षाओं, डर, कमजोरियों और साहस, सबको। साथ ही, बतौर समाज हमारी विषमताओं, कमियों को भी बेपरदा कर दिया है। इनके अलावा, इसने यह भी बताया है कि जो काम सार्वजनिक हित में होने चाहिए, वह केवल सार्वजनिकता की भावना से ओत-प्रोत सामाजिक संस्थाएं ही कर सकती हैं। आम लोगों के हित की आड़ में कारोबार करने वाली निजी संस्थाओं की सरचनात्मक भ्रांतियां और अयोग्यताएं अब सामने आ चुकी हैं। जाहिर है, समान, मजबूत और जीवंत सरकारी शिक्षा तंत्र का कोई विकल्प नहीं है। यह ठीक उसी तरह है, जैसे इस दुखद महामारी ने साफ कर दिया है कि प्रतिबद्ध निजी परोपकारी अस्पतालों की अच्छी संख्या होने के बावजूद उच्च गुणवत्ता वाले मजबूत सरकारी स्वास्थ्य तंत्र का कतई कोई वकल्प नहीं है।

त्योहार मनाइये, जरा सावधानी से! शारदीय नवरात्रि की आप सब को बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। मां के आगमन से आलोकित हैं हमारा मन, सृष्टि का कणकण। त्योहार लाये हैं रौनक। मिलना, जुलना हमें अच्छा लगता हैं। सेवा, त्याग, समर्पण भाव जगाने आती हैं माता, विविध रूप में। जनजागृति, जनचेतना का अलख लिए। मास्क, सैनिटाइज़र, साबुन से हाथ धोना, हमें नहीं हैं भूलना। बनाये रखें दूरिया, मन में रहे नजदीकियां। पारिवारिक, सामाजिक मिलन का पावन त्योहार हैं नवरात्रि। भक्तिभाव पूजा आराधना का पर्व। कोरोना महामारी में स्वाहा गई हमारी खुशियां। हमारा आनंद। आओ नवरात्रि पर्व मनाये, जरा सावधानी से। खतरा अभी टला नहीं हैं। सावधान रहना जरूरी हैं। खूब आनंद उत्सव मनाइए, मेले सजाइये, जरा ध्यान से। बेरंग जिंदगियों में रंग भरते हुए। दुखियारी जिंदगियों में मुस्कान खिलातें हुए। जो अकेले रह गए हैं, हमराह बनें। खुशियां बांटे, बांटने से खिलखिलाती हैं खुशियां। आओ, आनंद धन पाये। नव उमंग, नव तरंग, नव उल्लास, नव चेतना से जीवन बाग महके, चहके। मधुर साज संगीत से सुरमई हो जीवन। प्रेम, प्यार, दुलार, नेह-दीपक से खिल जाए जीवन मधुबन।आओ मां, गम सारे हर दो, तम सारा मिटा दो। जीवन में आनंद भर दो। माता रानी के आशीर्वाद पाकर हरदिल में खुशियां खिले। आनंद, उल्लास, उत्साह ,हौसला, जीने का अरमान जगे। पशुता का अंत हो, मानवता का पूजन हो। जगत कल्याण की भावना हरदिल में हो। आओ माता रानी,खुशियां सारी लौटा दो।

संस्कृति का दुश्मन तालिबान

भावी पीढ़ियों को शायद इस पर विश्वास नहीं होगा कि अफगानिस्तान में समृद्ध सनातन संस्कृति भी थी। कभी अखंड भारत के पवित्र भूगोल का अभिन्न अंग रहा अफगान भूभाग आज अपने अतीत से बहुत दूर चला आया है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत रहीं निक्की हेली ने कुछ दिन पहले कहा था कि अफगानिस्तान से अमेरिकी पलायन के बाद वहां के बगराम एयरबेस पर चीन आसानी से काबिज हो जाएगा। भारतीय मूल की हेली की यह चिंता निराधार नहीं है। बगराम एयरबेस रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, सामरिक संदर्भों में अहमियत के कारण उसके गौरवशाली अतीत एवं सांस्कृतिक महत्व को अनदेखा किया जाता है। यही बगराम शहर कभी कनिष्क जैसे लब्धप्रतिष्ठ बौद्ध-शैव कुषाण सम्राट की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा। कुषाण वंश के तार उस देश से भी जुड़े हैं, जो आधुनिक भारत और पाकिस्तान के साथ मिलकर अफगानिस्तान की नियति का एक और कोण बनाता है। यह देश है चीन।चीनी इतिहासकार कुषाणों को यूजी कबीले की एक शाखा मानते हैं, जिन्हें शियोंगनू नामक मंगोलियाई खानाबदोशों ने अपनी पैतृक भूमि से बेदखल कर दिया था। गुइशुआंग कहलाने वाली यह शाखा अफगानिस्तान आ गई। यहीं उनका यूनानी नामकरण हुआ-कुषाण। प्राचीन सिल्क रूट पर होने के कारण गांधार (आधुनिक उत्तर-पूर्वी पाकिस्तान) से कुषाणों के अहम व्यापारिक संबंध थे।जहां तक आधुनिक इतिहास की बात है, वर्ष 1915 में पश्चिमी ताकतों को अफगानिस्तान में खोदाई का अवसर मिला। इतालवी, जर्मन, फ्रांसीसी, तुर्क और अंग्रेज सभी इस मुहिम में जुटे। बीती सदी के पांचवें और छठे दशकों के बीच फ्रांसीसी पुरातत्वविदों को बगराम में खोदाई के दौरान बेशकीमती खजाना मिला। उनमें आइवरीज यानी हाथी दांत और अनमोल हस्तशिल्प भी शामिल थे। पूरे संग्रह में भारतीय मूर्तिकला की परंपरा में बनी कलाकृतियां, भारतीय अलंकरण और वेशभूषा में उकेरी सम्मोहक शालभंजिकाएं भी थीं। भारत में तब कई शिल्प संघ थे, जिन्होंने स्वयं या फिर अपने स्थानीय शिष्यों की मदद से उन्हें गढ़ा होगा। प्रसिद्ध पांपेई लक्ष्मी नामक शालभंजिका बगराम और प्राचीन यूनान के व्यापारिक संबंधों को दर्शाती है।बगराम आइवरीज जल्द ही अंतरराष्ट्रीय कला बाजार का हिस्सा बन गई। कालांतर में इन कलाकृतियों में तस्कर भी सक्रिय हो गए। उसमें पाकिस्तानी सबसे आगे थे। इस पर हुई आलोचनाओं को लेकर पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने कहा था कि वक्त आने पर पाकिस्तान उन्हें उपहारस्वरूप अफगानिस्तान को सौंपेगा, लेकिन वह वक्त कभी नहीं आ पाया।वैसे तो अफगानिस्तान का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन उसकी मौजूदा सीमाएं 19वीं सदी के अंत में तय हुईं। अपने समृद्ध इतिहास में उसने तमाम ऐतिहासिक धरोहरों को समेटा हुआ है। हिंदूकुश तलहटी की उपजाऊ भूमि पर खेती और बहुमूल्य खनिजों का उत्खनन होता रहा है। चंद्रगुप्त मौर्य के श्वसुर और सिकंदर के सेनापति सेल्यूकस के समय यहां यूनानी और भारतीय संस्कृतियों का अनूठा संगम था। यहीं फ्रांसीसी पुरातत्वविदों ने जलालाबाद के पास हड्डा नामक स्थान पर खोदाई की, जहां उन्हें हजारों की तादाद में गौतम बुद्ध की मूर्तियां, शिलालेख, पांडुलिपियां और अन्य ऐसे संकेत मिले जिनसे साफ हुआ कि यह एक महत्वपूर्ण बौद्ध मठ था।अनुमान है कि बुद्ध की हड्डी पर बने स्तूप होने से इसका नाम हड्डा पड़ा। अत्यंत सुंदर बुद्ध मूर्तियों और उनके पृथक बनाए हुए विशालकाय सिर, इंडो-ग्रीक शैली का विलक्षण उदाहरण हैं। गुप्त काल के दौरान उत्तर भारत में विकसित शिल्पकला की कई शैलीगत विशेषताएं भी यहां मिलती हैं। इससे यहां बौद्ध और यूनानी साझा परंपरा के संकेत मिलते हैं। कभी अखंड भारत के पवित्र भूगोल का अभिन्न अंग रहा अफगान भूभाग आज अपने अतीत से बहुत दूर चला आया है। यहां की नदियों, पहाड़ों, जीव और वनस्पति का वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में प्रमुखता से उल्लेख है। सनातन धर्म के अलावा यहां बौद्ध धर्म की भी गहरी छाप रही। वस्तुतः अफगानिस्तान का अतीत सनातन था, परंतु उसका वर्तमान कट्टरपंथी इस्लाम है और भविष्य में भी उस पर उसकी ही छाप रहने के आसार हैं। भारत का दुर्भाग्य ही है कि हमारी प्रागैतिहासिक सभ्यता के भग्नावशेष, सनातन धर्म के अभिन्न अंग रहे शक्ति पीठ और शैव मंदिर और अमूल्य धरोहरों में से कुछ कट्टरपंथियों के हाथों ध्वस्त हो गए। तालिबान के हाथों संस्कृति पर इतना गहरा आघात हुआ है कि भावी पीढ़ियों को विश्वास ही नहीं होगा कि यहां कभी वैदिक, पौराणिक, शैव और बौद्ध संस्कृतियों की गहरी पैठ थी।जब रूस ने अफगानिस्तान में कठपुतली सरकार बनाई, तब अफगान सांस्कृतिक संपदा रूस के हर्मिटिज म्यूजियम भेज दी गई। जो बचा वह भी आतंकियों के कारण नष्ट होता गया। मुजाहिदीन गुटों के आपसी हमलों में काबुल का राष्ट्रीय संग्रहालय आहत होता रहा। वर्ष 1993 में राकेट गिरने से संग्रहालय की छत नष्ट हो गई। मलबे के नीचे दबे अतुलनीय संग्रह का 70 प्रतिशत हिस्सा पिछली सदी के आखिरी दशक तक गायब हो गया। वर्ष 1994 में जब संयुक्त राष्ट्र की टीम संग्रहालय का सर्वे करने पहुंची, तो उसे जले कागज, टूटे बक्से और पत्थरों के टुकड़े मिले।यूनानी और बैक्टियम सिक्के, बगराम आइवरीज और बौद्ध मूर्तियों में से कुछ नहीं बचा। जिन्हें उनकी रखवाली का जिम्मा सौंपा वही सब कुछ लूटकर ले गए। इतना ही नहीं विश्व की कई प्राचीन बौद्ध अथवा भारतीय पांडुलिपियां और शिलालेख भी वहां मिले, परंतु अधिकांश तालिबान के मूर्तिभंजन के शिकार हो गए। हजारों वर्षों से चली आ रही समृद्ध परंपरा के अब इस धरा पर नाम मात्र के निशान भी शेष नहीं रहे। चूंकि अफगानिस्तान में हमारी सभ्यता और संस्कृति की अमूल्य धरोहर रही हैं। ऐसे में भारत सरकार का दायित्व है कि वह वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर उन्हें संरक्षित करने के लिए अभियान चलाए। आखिर घायल सनातन सभ्यता को दुलारना और उसे अपने स्नेह से सींचना ही तो भारत का धर्म है।

कश्मीरियत की आवाज

कश्मीर घाटी में अल्पसंख्यकों को जिस तरह से निशाना बनाया जा रहा है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम होगी। ऐसे कायर फिर सिर उठा रहे हैं, जो अब लगभग हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं। किसी भी मकसद में जब हिंसक ताकतें आम निहत्थे लोगों को निशाना बनाने लगती हैं, तब दरअसल वे अपनी बुनियादी हार का ही संकेत देती हैं। बुधवार को आतंकियों की कारस्तानी की चर्चा अभी शुरू ही हुई थी कि उन्होंने श्रीनगर में गुरुवार सुबह ईदगाह इलाके में स्थित एक सरकारी स्कूल में हमला कर दिया। इस हमले में स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षक की मौत हो गई है। गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाने का मकसद साफ तौर पर समझा जा सकता है। जो लोग देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव को लेकर चिंतित हैं, उनकी चिंता का स्तर अब और बढ़ गया है। घाटी में लगातार यह साबित करने की कोशिश होती रही है कि दो समुदाय मिलकर साथ नहीं रह सकते। समुदायों के बीच पिछले दिनों से देखे जा रहे सद्भाव पर प्रहार करने की यह नापाक कवायद जिन लोगों की दिमाग की उपज है, वे दरअसल इंसानियत के दुश्मन हैं। वे नहीं चाहते कि कश्मीर में अमन-चैन की बहाली हो। जिस तरह से कश्मीर में राष्ट्रीय महत्व के उत्सवों को मनाने की शुरुआत हुई है, जिस तरह कश्मीर के प्रति बाकी भारत में लगाव बढ़ा है, उससे आतंकियों को अपनी जमीन खिसकती लग रही है। अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल बनाने में कामयाब हो रहे सुरक्षा बलों को पूरे संयम के साथ ऐसे कायराना हमलों का जवाब देना चाहिए। कायरों के नेटवर्क को समय रहते तोड़ना होगा। सुरक्षा बलों को कश्मीर की उस बेटी की आवाज पर कान देना चाहिए, जो पिता की मौत के बाद भी मुकाबले के लिए तैयार है। बुधवार को भी आतंकियों ने एक के बाद एक तीन हमले किए थे, जिनमें तीन अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया था। इसमें सबसे दुखद हत्या माखनलाल बिंद्रू की है। घाटी में दवाई की दुकान चलाने वाले बिंद्रू उन गिने-चुने हिंदुओं में शामिल थे, जो 1990 और 1991 के खतरनाक समय में भी घाटी में पांव जमाए रहे। सांप्रदायिकता की आग में झुलस रही घाटी में भी बिंद्रू कश्मीरियत को संजोए हुए थे।

पैंडोरा पेपर्स से जुड़े नाम सामने लाए जाएं

अब से 5-6 साल पहले 'पनामा पेपर्स' ने सारी दुनिया में तहलका मचा दिया था, अब उससे भी बड़ा भंडाफोड़ हुआ है- 'पैंडोरा पेपर्स'। 'पनामा पेपर्स' से तो पनामा नामक देश की वजह से जाने गए, लेकिन 'पैंडोरा पेपर्स' तो पैंडोरा नामक मिथकीय यूनानी महिला पैंडोरा के नाम से जाने जा रहे हैं। यूनानी देवता प्रोमिथियस ने पैंडोरा नामक परम सुंदरी को एक ऐसा बक्सा भेंट किया था, जिसमें दुनिया की सारी बुराइयां छिपा रखी थीं। विदेश में दुनिया के अमीरों ने जो मिल्कियत छुपा रखी है, उसकी जानकारी एक खोजी पत्रकार संगठन लेकर आया है। जिन दस्तावेजों की जानकारी इस संगठन ने सार्वजनिक की है, उसे ही 'पैंडोरा पेपर्स' कहा जा रहा है। इस खोजी पत्रकार संगठन ने 14 कंपनियों के लगभग सवा करोड़ दस्तावेजों की जांच करके 2900 बैंक-खातों को पकड़ा है। इन खातों में गरीब और अमीर देशों के सैकड़ों लोगों ने 130 बिलियन डॉलर जमा कर रखे हैं। जमा करने वाले ये लोग कौन हैं? इनमें कई देशों के बादशाह, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेता और उद्योगपति तो हैं ही, उनके साथ कई आतंकवादी, तस्कर, फौजी, सरकारी अधिकारी, फिल्मी और खिलाड़ी लोग भी शामिल हैं। अगर भारत के 380 खाते पकड़े गए हैं तो पाकिस्तान के 700 से भी ज्यादा खाते विदेशी बैंकों में पकड़े गए हैं। ये खाते अपने-अपने देशों में नहीं हैं। विदेशों में हैं। कुछ अपने नाम से हैं। कुछ फर्जी नाम से हैं और कुछ न्यासों (ट्रस्टों) और कंपनियों के नामों से हैं। अधिकतर खाते ऐसे छोटे-मोटे देशों में हैं, जिनके नाम भी आपने कभी नहीं सुने होंगे। जैसे बहामा, सेंट किट्स, सेंट बार्थोलमी, वनातूआ, वर्जिन आइलैंड, नौरू, बरमूडा आदि। इन देशों में लोग अपना धन इसलिए छिपाते हैं कि एक तो उन्हें वहां आयकर नहीं देना पड़ता और दूसरा कारण यह है कि उन्हें गोपनीयता बनी रहती है। किसी को पता ही नहीं चलता कि किसका पैसा कहां छिपा हुआ है इसीलिए उद्योगपति और व्यापारी तो सिर्फ टैक्स बचाने के लिए अपना पैसा इन देशों में छिपाते हैं लेकिन नेता, अफसर, तस्कर, आतंकवादी और अपराधी अपना अनैतिक और अवैधानिक तरीकों से अर्जित धन वहां छिपाते हैं। इसीलिए जब कुछ भारतीय अखबारों में कुछ उद्योगपतियों और खिलाड़ियों के नाम उजागर हुए, तो उन्होंने सफाई पेश करनी शुरू कर दी। जो उद्योगपति खुद को दिवालिया घोषित कर चुके हैं, उनके भी वहां करोड़ों-अरबों रुपये पाए गए हैं। बीजेपी सरकार ने इस तरह के खाताधारियों के विरुद्ध 2015 में कड़े कानून बनाए थे। लेकिन क्या वजह है कि अभी तक न तो पनामा पेपर्स के दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न अभी तक 'पेंडोरा पेपर्स' के नामों को उजागर किया गया है। जो कुछ नाम एक भारतीय अंग्रेजी अखबार ने उजागर किए हैं, उनमें भी न नेताओं के नाम हैं, न आतंकवादियों के और न ही अफसरों के। जिसका भी खाता इन विदेशी बैंकों में हो, उसका नाम बताने में संकोच की जरूरत क्या है? सांच को आंच कैसी? जरा मालूम तो पड़े कि भारतीयों के 20 हजार करोड़ डॉलर वहां जमा हैं तो किसके कितने हैं? जरा गौर करें कि पाकिस्तान के दर्जनों नेताओं, मंत्रियों, फौजियों, अफसरों और दलालों के नाम उजागर हो चुके हैं, लेकिन भारतीयों के नाम पता नहीं चल रहे। इसका कारण यह भी हो सकता है कि अगर नेताओं और अफसरों के नाम उजागर हो गए तो शायद किसी भी पार्टी की कमीज सफेद न पाई जाए। पूरे कुएं में ही भांग पड़ी हुई है। बोफोर्स के लेन-देन में चाहे असली लोग बच गए, लेकिन लोगों को पता चल गया कि राजनीति लंबे-चौड़े लेन-देन के बिना चल ही नहीं सकती। पैंडोरा पेपर्स कांड में सामने आए पाकिस्तानी नामों से यह तर्क अपने आप सिद्ध हो जाता है।विदेशी बैंकों में यह पैसा नेता और अफसर लोग इसलिए छिपाते हैं कि इसका पता किसी को भी नहीं चले। यदि यह पैसा उसी तरह भारत में भी छिपाकर रख सकते हों तो शायद टैक्स भरने में भी उन्हें कोई एतराज न हो, क्योंकि उनके सैकड़ों विश्वसनीय अनुयायियों के नाम से वे खाते खोलकर टैक्स बचा सकते हैं, लेकिन वे अपने साथियों को भी इस गुप्त धनराशि का सुराग नहीं लगने देना चाहते। लेकिन व्यापारियों और उद्योपतियों को यदि आयकर भरने का डर न हो तो उन्हें अपनी कमाई छिपाने का कोई कारण नहीं है। दुनिया के 23 देश ऐसे हैं, जिनमें आयकर नाम की कोई चीज ही नहीं है। लेकिन अधिकतर वे सभी छोटे-छोटे देश हैं। उनके सरकारी खर्च भी कम हैं, मगर भारत-जैसे बड़ी जनसंख्या वाले और विशाल देश की सरकार यथेष्ट आमदनी के बिना कैसे चल सकती है? अपनी यथेष्ट आमदनी की खातिर ही इंदिरा-राज में आयकर की दर लगभग गलाघोंटू बन गई थीं। अब भी सरकार को आयकर से हर साल लगभग 11-12 लाख करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि सब लोग अपना आयकर ईमानदारी से भरें तो सरकार की आमदनी डेढ़ी-दुगुनी हो सकती है। आयकर नहीं भरने या बचाने की इच्छा ही काले धन की जननी है। इस काले धन को खत्म करने के लिए ही मोदी सरकार ने नोटबंदी का जबर्दस्त कदम उठाया था, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। नोटबंदी का विचार जिन लोगों ने चलाया था, उनकी सारी शर्तें सरकार लागू कर देती तो शायद कालेधन पर लगाम लग सकती थी। लेकिन अब काला धन रखना ज्यादा आसान हो गया है। एक हजार का नोट खत्म किया, लेकिन सरकार ने उसकी जगह दो हजार का नोट चला दिया। नोट बदलवाने की लाइनों में खड़े सैकड़ों लोगों ने दम तोड़ दिया। नए नोट छापने में हजारों करोड़ रुपये नए सिरे से खर्च हो गए। यदि सरकार 100 रुपये को डॉलर की तरह सबसे बड़ा नोट बनाए, बैंकिंग को बढ़ावा दे और बैंक के लेन-देन पर नाम मात्र का टैक्स लगाए तो उसके पास आयकर से भी बड़ा पैसा जमा हो सकता है।

दीपिका पादुकोण और पीवी सिंधु से सीखिए बैडमिंटन खेलकर कैलोरी बर्न करना

बैडमिंटन के मूव्स न केवल आपके हाथों और कंधों पर काम करते हैं, बल्कि ये आपके लोअर बॉडी फैट को भी कम करने में मददगार हो सकते हैं।बैडमिंटन हमारे अंदर के बच्चे को बाहर ले आता है, है न? बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण के मामले में भी ऐसा ही है, जिन्होंने हाल ही में दिग्गज शटलर पीवी सिंधु के साथ बैडमिंटन मैच खेला। बैडमिंटन खेलने के बाद न केवल उनकी कैलोरी बर्न हुई, बल्कि चेहरे पर चमक भी दिखी। इससे हमें यह पता चलता है कि बैडमिंटन वास्तव में हमारे शरीर और दिमाग के लिए एक बेहतरीन व्यायाम है।कुछ दिनों पहले, दीपिका और सिंधु ने अपने सुपर फन बैडमिंटन सत्र के कुछ पलों को इंस्टाग्राम हैन्डल पर सांझा किया। दीपिका, जैसा कि प्रशंसकों को पता होगा, खेल के लिए नई नहीं है। बैडमिंटन के महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण की बेटी, मॉडलिंग से पहले राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी हैं। मगर अभिनय ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। लेकिन एक बार खेल चुका खिलाड़ी हमेशा खिलाड़ी रहता है। साथ में वीडियो में, दीपिका ने सिंधु के बारे में कहा- वह विश्व चैंपियनशिप के लिए अभ्यास कर रही हैं, और उन्होंने सोचा कि मैं उनकी सबसे अच्छी साथी हो सकती हूं ? आप जानते हैं, उसे तैयार करने के लिए।सिंधु, जो दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला बनीं, जब उन्होंने इस साल की शुरुआत में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था, दीपिका के कौशल की यह कहकर सराहना करती हैं कि अगर वे बैडमिंटन खेलतीं, तो वह एक बेहतरीन खिलाड़ी होतीं।

एक नई स्पारिंग पार्टनर को पाकर खुश, सिंधु ने बाद में अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, अच्छा मज़ा आया और अंत में अच्छा खेल हुआ दीपिका। हम आगे यह कब कर रहे हैं?

इस पर दीपिका ने चुटकी लेते हुए कहा, जैसे ही मैं पिछले सेशन से उबरती हूं!

बैडमिंटन खेलने के बाद दीपिका बहुत खुश दिख रहीं थी। यह एक ऐसा एहसास है जो उनके चेहरे पर दिखाई दे रहा था, क्योंकि उन्होंने बैडमिंटन के बाद की चमक की तस्वीर साझा की, जिसने उनके पति रणवीर सिंह और उनके फैंस को चौंका दिया।तस्वीरों और वीडियो ने निश्चित रूप से बॉलीवुड में अफवाहों को हवा दी है कि क्या दीपिका सिंधु पर एक संभावित बायोपिक में देखी जा सकती हैं? लेकिन हेल्थशॉट्स में, हम यह जानने के लिए उत्सुक हो गए कि कैलोरी जलाने, वजन घटाने और सामान्य रूप से फिटनेस के लिए बैडमिंटन वास्तव में कितना प्रभावी है।एक ऑनलाइन स्वास्थ्य और फिटनेस कोच और पोषण विशेषज्ञ यश वर्धन स्वामी हमें बताते हैं, बैडमिंटन, अगर गहन तरीके से खेला जाए, तो कैलोरी बर्न करने का यह अद्भुत तरीका है।

कैलोरी बर्न करने के अलावा बैडमिंटन शरीर और मन को कुछ इस तरह प्रभावित करता है

1. शरीर-नियमित रूप से बैडमिंटन खेलने से आपके कोर, कंधों और यहां तक ??कि निचले शरीर पर भी काम हो सकता है।

2. मन -यह मनोवैज्ञानिक पहलुओं और स्पोर्ट्समैनशिप की भावना के साथ भी मदद कर सकती है, जो जीवन के अन्य क्षेत्रों में मदद करती है।

3. दिल-हाई हार्ट रेट में कैलोरी बर्न करने से आपका हार्ट हेल्दी रहता है। ब्रिटिश हार्ट फ़ाउंडेशन के अनुसार, ओलंपिक खेल दिल की बीमारी वाले लोगों के लिए एक बेहतरीन एक्टिविटी है। यह हृदय को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। साथ ही हृदय की मांसपेशियों की कंडीशनिंग और मजबूती को बढ़ावा देता है। यह हाई ब्लड प्रेशर को कम कर सकता है और ब्लड क्लॉगिंग की मुश्किलों को दूर करता है। बैडमिंटन के विभिन्न मूव से लगभग 450 कैलोरी प्रति घंटे बर्न की जा सकती है। बैडमिंटन एक लोकप्रिय खेल है, जो तनाव और चिंता को कम करके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है। यह निरंतर मूवमेंट और अलर्ट रखता है जिससे स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

तो लेडीज, क्या अब आपने भी बैडमिंटन खेलने का मन बना लिया है?

बैडमिंटन के मूव्स न केवल आपके हाथों और कंधों पर काम करते हैं, बल्कि ये आपके लोअर बॉडी फैट को भी कम करने में मददगार हो सकते हैं।बैडमिंटन हमारे अंदर के बच्चे को बाहर ले आता है, है न? बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण के मामले में भी ऐसा ही है, जिन्होंने हाल ही में दिग्गज शटलर पीवी सिंधु के साथ बैडमिंटन मैच खेला।

संजना गलरानी के खिलाफ कैब ड्राइवर ने दर्ज कराई दुर्व्यवहार की शिकायत, ऐट्रेस ने अपनी सफाई में कहीं ये बातें

सैंडलवुड ड्रग रैकेट केस में गिरफ्तार की गईं कन्नड ऐक्ट्रेस संजना गलरानी एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल, अब बेंगलुरु में एक कैब ड्राइवर ने संजना गलरानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कैब ड्राइवर का कहना है कि संजना गलरानी ने टैक्सी मे एयर-कंडीशनर चालू नहीं करने पर गाली दी है। कैब ड्राइवर ने बताया कि एसी चलाना कर्नाटक के कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के खिलाफ है। वहीं, संजना गलरानी ने सोशल मीडिया पर कहा है कि कैब ड्राइवर ने परेशान किया था और उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के के बारे में कुछ भी नहीं बताया। कैब ड्राइवर ने अपनी शिकायत में कहा, %संजना गलरानी उनकी टैक्सी में बैठीं और एसी चलाने के लिए कहा। मैंने सरकार के कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के अनुसार एसी चलाने से मना कर दिया। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि मुझे एसी चला देना चाहिए और मैंने लेवल 1 पर चला दिया।% कैब ड्राइवर ने आगे कहा, %संजना गलरानी इसे लेवर 4 तक बढ़ा दिया और मुझे गालिया दीं। उन्होंने मेरे खिलाफ अपहरण का केस दर्ज करने और सोशल मीडिया मेरे खिलाफ अभियान चलाने की धमकी थी। मैंने कर्नाटक ड्राइवर्स फेडरेशन के साथ मामला उठाया है।%इसी बीच संजना गलरानी ने घटना पर रिऐक्शन दिया है। संजना गलरानी ने कहा, %आखिरकार, क्या मैं एक कैब ड्राइवर को चुनौती दे सकता हूं? मैं इतना नीचे कभी नहीं जाऊंगी। इतना सारी महिलाओं का अपमान किया जाता है और कैब ड्राइवर द्वारा पूरा किराया देने के बावजूद उन्हें उतार दिया जाता है। एक कस्टमर होने के रूप में ये मेरा अधिकार है कि मैं अच्छी सर्विस मांगूं। कैब ड्राइवर द्वारा लगाए गए आरोप सिर्फ कहानियों से ज्यादा कुछ नहीं हैं।संजना गलरानी सोशल मीडिया पर लंबा नोट लिखा, ड्राइवर ने %शुरू में कहा कि वह एसी बिल्कुल नहीं चलाएगा और काफी अभद्र तरीके से पेश आ रहा था। उन्होंने एक बार भी कोविड रूल्स शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया और न ही कोई कोविड नियम हमारे लिए लिखित में थे। मैं एक एसी कार के लिए भुगतान कर रही हूं और एसी को चलाने के लिए कहना कस्टमर का अधिकार है।% संजना गलरानी ने आगे कहा, %मैंने एक भी गाली नहीं दी। मैंने उससे पूछा कि क्या वह ऐसी स्थिति में अपनी मां या बहन के साथ वैसा ही व्यवहार करेगा। संजना गलरानी ने कहा, %मैंने उससे पूछा कि क्या वह फिर 1000 रुपये की मांग करेगा। मैंने सिर्फ इसलिए दृढ़ता से बात की क्योंकि वह बहुत घमंडी था और हमें गलत पते पर उतरने के लिए दबाव बना रहा था। मैंने सुबह 10:30 बजे पुलिस को फोन किया और उन्हें सूचित किया कि ड्राइवर कार को रोक नहीं रहा है और हमें गोल-गोल घुमा रहा था। वह मीटर रीडिंग बढ़ा रहा था और मुझे सही पते पर ले जा नहीं रहा था।% संजना गलरानी के अनुसार, पुलिस को कॉल करने के बाद ही ड्राइवर ने कार रोक दी। ऐक्ट्रेस ने नोट के आखिर में लिखा, मैं मजदूर वर्ग के लोगों का दर्द समझती हूं। लेकिन बहुत हो गया। मैं अब अपने खिलाफ कोई फेक स्टोरीज नहीं ले सकती हूं।

शहनाज गिल ने काम पर की वापसी? दिलजीत दोसांझ ने शेयर किया वीडियो, फैंस इमोशनल

शहनाज गिल के काम पर लौटने की खबरें लंबे वक्त से आ रही हैं। बीते दिनों रिपोर्ट्स थीं कि वह 7 अक्टूबर को अपकमिंग फिल्म %हौसला रख% की बची शूटिंग और प्रमोशन के लिए लौटेंगी। अब दिलजीत दोसांझ ने एक वीडियो शेयर किया है। कयास लगाया जा रहा है कि यह नया वीडियो है। इस वीडियो में फिल्म की कास्ट के साथ शहनाज गिल भी दिखाई दे रही हैं। सिडनाज फैंस ये वीडियो देखकर इमोशनल हो रहे हैं। फिल्म 15 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। सितंबर के महीने में सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद से शहनाज गिल सदमे में हैं। उन्होंने काम से ब्रेक लिया था। इस बीच खबरें थीं कि फिल्म में शहनाज का कुछ पार्ट शूट होना बाकी है जिसके लिए मेकर्स लगातार शहनाज और उनकी टीम के टच में थे। बताया जा रहा था कि शहनाज अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स पूरे करेंगी और अक्टूबर में काम पर वापस आ जाएंगी। अब दिलजीत दोसांझ ने एक वीडियो शेयर किया है जिसे देखकर लोग इमोशनल हो रहे हैं। इस वीडियो में शहनाज के साथ दिलजीत दोसांझ और सोनम बजवा भी हैं। ये वीडियो फिल्म के प्रमोशन का है। शहनाज टीम के साथ मस्ती करती भी दिखीं। दिलजीत ने लिखा है, मैंने इनको प्यार किया और इन्होंने मेरे साथ ये किया। हौसला रख इस दशहरे (15 अक्टूबर) को आ रही है। शहनाज गिल के फैंस उनकी वापसी की खबर सुनकर काफी एक्साइटेड हैं। दिलजीत के वीडियो पर लोगों ने सवाल किया है कि क्या ये नया वीडियो है। इस पर कुछ फॉलोअर्स ने लिखा है कि वीडियो में पीछे फिल्म का पोस्टर लगा है, ये नया वीडियो ही है।

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्य से अलग होने पर ट्रोल करने वालों की लगाई लास

सामंथा रुथ प्रभु के नागा चैतन्य से अलग होने के बाद काफी लोग उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं। अब सामंथा ने सोशल मीडिया पर खुद को ट्रोल करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है।साउथ की सुपरस्टार ऐक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु हाल के दिनों में अपने पति नागा चैतन्य के साथ अलगाव को लेकर चर्चा में रही हैं। दोनों ने कुछ दिनों पहले ही अपनी 4 साल पुरानी शादी तोड़कर तलाक लेने का फैसला कर लिया। सामंथा के तलाक की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोग उनकी आलोचना कर रहे थे और उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा था। अब सामंथा ने खुद को ट्रोल करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सामंथा ने महिला और पुरुषों के प्रति दोहरा मापदंड रखे जाने की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, %गुड मॉर्निंग, जब महिलाओं से जुड़ा कोई मसला होता है तो उस पर नैतिकता के सवाल उठाए जाते हैं मगर एक समाज के तौर पर हम पुरुषों से नैतिकता के सवाल नहीं पूछते। बुनियादी बातों की कोई नैतिकता नहीं होती।% सामंथा के शेयर किए इस कोट को फरीदा डी ने लिखा है। बता दें कि पिछले ही हफ्ते सामंथा और नागा चैतन्य ने अलग होने की घोषणा की थी। सामंथा और नागा चैतन्य के पोस्ट्स देखकर उनके फैन्स हैरान रह गए। बता दें कि सामंथा और नागा चैतन्य के बीच 2014 की फिल्म ऑटोनागर सूर्या की शूटिंग के दौरान नजदीकियां बढ़ीं। इसके बाद 2017 में दोनों ने गोवा में शादी कर ली थी।वर्क फ्रंट की बात करें तो सामंथा पिछली बार मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 में नजर आई थीं। नागा चैतन्य की बात करें तो अब वह पहली बार आमिर खान के साथ फिल्म %लाल सिंह चड्ढा% में नजर आने वाले हैं।

बॉलिवुड में भी जलवे दिखा चुकी हैं 'कुमकुम भाग्य' फेम Reyhna Malhotra, जीशान खान को कर रहीं डेट

बिग बॉस ओटीटी में नजर आए जीशान खान ने हाल ही रेहाना मल्होत्रा संग अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर ऐक्ट्रेस की चर्चा हो रही है। बॉलिवुड में भी जलवे दिखा चुकी हैं कुमकुम भाग्य फेम Reyhna Malhotra, जीशान खान को कर रहीं डेटरेहाना मल्होत्रा, जिन्हें फैन्स रेहाना पंडित के नाम से भी जानते हैं, कुमकुम भाग्य में नजर आ रही हैं। रेहाना पंडित, निया शर्मा की बेस्ट फ्रेंड हैं और टीवी की बोल्ड ऐक्ट्रेसेस में शामिल हैं।वह सोशल मीडिया पर खूब ऐक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर अपनी दिलकश तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। खबर लिखे जाने तक रेहाना पंडित के इंस्टाग्राम पर 740च फॉलोअर्स हैं। रेहाना पंडित ने अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2014 में की थी। उनका पहला टीवी शो जमाई राजा था। इसी शो में काम करते हुए उनकी दोस्ती निया शर्मा से हुई। आज निया और रिहाना बेस्ट फ्रेंड्स हैं।इसके बाद रेहाना ने कई टीवी शोज किए, जिनमें इश्कबाज, इच्छाधारी नागिन, दिल बोले ओबेरॉय, इस प्यार को क्या नाम दूं 3, वो अपना सा, मनमोहिनी और कुमकुम भाग्य शामिल हैं।रेहाना पंडित ने टीवी के अलावा बड़े पर्दे पर भी अपनी ऐक्टिंग के जलवे दिखाए हैं। उन्होंने साल 2014 में बब्लू हैंपी है फिल्म से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 2016 द एंड और तान्हाजी द अनसंग वॉरियर में भी नजर आईं।बॉलिवुड के अलावा रेहाना पंडित एक तेलुगु फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। साथ ही वह कुछ म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।रेहाना पंडित कुछ विवादों को लेकर भी चर्चा में रहीं। साल 2015 में उनका को-स्टार निया शर्मा संग लिप-लॉक खूब चर्चा में रहा था। इस लिप-लॉक पर खूब विवाद हुआ था। इस विवाद पर रेहाना पंडित ने हमारे सहयोगी बॉम्बे टाइम्स से कहा था, मेरी बहन के बाद निया ही वह इंसान है जिसे मैं किस कर सकती हूं क्योंकि वह मेरी बहन की तरह है। मैं हैरान हूं कि इसे लेकर लोग इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं। मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी कि निया इंडस्ट्री में मेरी सबसे अच्छी और अकेली दोस्त है। उस दिन मेरे देर से आने को लेकर परेशान थी, इसलिए मैंने सोचा कि एक किस के जरिए उसका प्यार वापस कर दूं।

जाह्नवी कपूर ने अपनी कलाई पर गुदवाया मां श्रीदेवी की हैंडराइटिंग में लिखा खास टैटू

जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया, जो वायरल हो गया है। इस वीडियो में जाह्नवी अपने हाथ पर टैटू बनवाते हुए नज़र आ रही हैं। हालांकि उन्हें टैटू बनवाते हुए काफी छपटपटाते हुए देखा जा सकता है, लेकिन वह फिर भी इस टैटू को गुदवाना चाहती हैं क्योंकि यह उनके लिए बहुत ही स्पेशल है। जाह्नवी कपूर का ये नया टैटू इसलिए उनके लिए खास क्योंकि यह उनकी मां श्रीदेवी की हैंडराइटिंग में है। जिसमें लिखा है- आई लव यू माय लव्ब्यू। जाह्नवी द्वारा शेय वीडियो में आप देख सकते हैं कि कैसे अदाकारा टैटू बनवाते हुए दर्द झेलती दिख रही हैं। वह टैटू गुदवाते हुए बेहद बुरी तरह से कांप रही है। साथ ही उनके मुंह से %गोविंदा-गोविंदा% कह कह रही हैं। आपको याद दिला दें कि जाह्नी की मां श्रीदेवी का निधन 24 फरवरी 2018 में दुबई के होटल में हुआ था, जहां वे एक शादी में गई थीं। उनके निधन के बाद अक्सर जाह्नवी अपनी मां को याद करते हुए उनके साथ बिताएं गये पलों को अपने फैंस के साथ शेयर करती हैं। जाह्नवी के इस पोस्ट पर लाखों लोगों ने कॉमेंट और लाइक किया है। जाह्नवी के टैटू को देखकर लग रहा है कि उनकी मां श्रीदेवी उन्हें प्यार से लव्ब्यू बुलाया करती थीं। इसका भी खुलासा जाह्नवी ने एक बार अपने इंस्टा पोस्ट से खुद किया था।

वन साइडेड रिलेशनशिप भी हो सकती है आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

एकतरफा रिश्ता एक व्यक्ति को उपेक्षित और अस्वीकृत महसूस करवा सकता है। यह किसी व्यक्ति के भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।हम सभी प्यार को महसूस करना चाहते हैं, कम्पैन्न्शिप का आनंद लेना चाहते हैं, और अपनेपन की भावना महसूस करना चाहते हैं। हालांकि संबंध, चाहे वह रोमांटिक हो, पारिवारिक हो, या दोस्ती का हो, हम उनमें दोतरफा योगदान देखना चाहते हैं। यदि किसी रिश्ते में दूसरा व्यक्ति अपने काम या व्यक्तिगत कारणों को आपसे अधिक महत्वपूर्ण मानता है, तो यह एकतरफा रिश्ते का एक क्लासिक संकेत है।

एकतरफा रिश्ता क्या है?

अनिवार्य रूप से, एकतरफा संबंध एक ऐसी स्थिति है जहां एक व्यक्ति एक रिश्ते में अपना भरपूर समय, ऊर्जा और संसाधनों को न्योछावर करता है। वहीं दूसरी ओर उसका साथी यह नहीं कर पाता। मुद्दा यह है कि एकतरफा रिश्ता उस व्यक्ति के लिए असुरक्षा, चिंता और एंग्जायटी को ट्रिगर करता है जिसने रिश्ते में अपना पूरा योगदान दिया हैं। इसलिए, पार्टनर के साथ का आनंद लेने के बजाय, अधिक योगदान करने वाला व्यक्ति मायूस होने लगता हैं। साथ ही, उनके किसी भी प्रयास को कभी भी दूसरी ओर से प्रोत्साहन नहीं मिलता है।मित्र, रोमांटिक साथी, या परिवार के सदस्य, ऐसे व्यवहार में लिप्त होकर आपके तनाव के स्तर को बढ़ा सकते हैं। यह आपके मनोबल को नीचे खींचता है और आपके आत्मसम्मान पर गलत प्रभाव डालता है।

क्या एकतरफा रिश्ते हानिकारक हो सकते हैं?

पार्टनर, दोस्त या परिवार के किसी सदस्य के साथ एकतरफा बंधन आपको अकेला महसूस कराएगा। ऐसा व्यक्ति आपकी आवश्यकताओं को स्वीकार नहीं करेगा और अपनी इच्छाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा। फिल्म चुनने से लेकर बातचीत के विषय तक को वह खुद तय करने लगते हैं। ऐसी स्थिति बहुत कष्टदायक हो सकती हैं, क्योंकि आप किसी के स्नेह को जीतने की कोशिश करने के लिए अपना व्यक्तित्व छोड़ देते हैं।ऐसे रिश्ते में आप लगातार अस्वीकृति और हीनता की भावनाओं का अनुभव करेंगे। जानिए वन साइडेड रिलेशनशिप आपके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकती है

1. तनाव के स्तर में वृद्धि -एकतरफा संबंध आपको चिंतित महसूस करा सकते हैं, क्योंकि सपोर्ट और प्यार की कमी तनाव हार्मोन के स्तर को बढ़ा सकती है।

2. कम आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास-जब आप निराश, अस्वीकार और उपेक्षित महसूस करते हैं, तो यह अक्सर सोचते हैं कि आप में कुछ गलती तो नहीं हैं। यह आपके आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास पर भारी असर डाल सकता है।

3. स्वास्थ्य समस्याएं-यूसीएलए द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि तनावपूर्ण संबंधों से प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता हैं, जो शरीर में सूजन का कारण बनता है। समय के साथ यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा कर सकता है।तो लेडीज, कोई व्यक्ति कितना ही प्यारा, सम्माननीय और इंटेलीजेंट क्यों न हो, उससे एक तरफा रिश्ते में बंधने का जोखिम न उठाएं। आपका स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आत्मविश्वास इस सबसे ज्यादा जरूरी है।

केज दूर कर वेट लॉस में मदद करता है तोरई सूप

जानिए इसकी रेसिपी और अन्य फायदे

सब्जियां सेहत का खजाना हैं। फिर चाहें जरूरत पोषक तत्वों की कमी दूर करने की हो या वेट लॉस की। आज हमारे पास है एक ऐसी रेसिपी जो आपकी वेट लॉस यात्रा में रफ्तार ला देगी।वज़न कम करना कोई आसान काम नहीं है, इसमें मेहनत और लगन की आवश्यकता होती है। ऐसे में लोग सबसे ज़्यादा इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि क्या खाएं और क्या नहीं! क्योंकि कुछ भी खाने से कैलोरी इंटेक बढ़ने की समस्या आ जाती है। इसी वजह से लोग ज़्यादातर भूखे रहते है और उनका वज़न बढ़ने लगता है।आपकी इन्ही परेशानियों को दूर करने के लिए हम आपके लिए लाएं हैं, तोरई सूप की रेसिपी। हमें पता है आप सोच रही होंगी कि तोरई का सूप! मगर यकीन मानिए यह वज़न घटाने के लिए पर्फेक्ट ऑप्शन है और बेहद टेस्टी भी है! तोरई लो फैट होती है और कैलोरीज में कम। इतना ही नहीं इसमें पानी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए सबसे सही है।

तो देर किस बात की? चलिये जानते हैं तोरई सूप की रेसिपी

तोरई का सूप बनाने के लिए आपको चाहिए

दो कप तोरई, छीलकर कटी हुई

एक कप मसूर दाल/लाल मसूर, धुली हुई

एक प्याज, मोटी कटी हुई

1 टमाटर मोटे तौर पर कटा

1 लहसुन की कली

4 कप पानी

नमक और काली मिर्च स्वादानुसार

कुछ उबले हुए कॉर्न गार्निश के लिए

अब जानिए तोरई का सूप बनाने की विधि

प्रेशर कुकर में सभी सामग्री तोरई, मसूर दाल, प्याज और टमाटर डालें।

लगभग एक कप पानी डालें और 2 सिटी तक प्रैशर कुक करें।

गैस बंद कर दें और प्रेशर को स्वाभाविक रूप से कम होने दें।

कुकर खोलें और मिक्सर का उपयोग करें सभी सामग्री को ब्लेंड करें।

सूप की मोटाई को समायोजित करने के लिए आवश्यकतानुसार पानी डालें।

स्वादानुसार नमक और काली मिर्च डालें और एक अच्छा उबाल आने दें।

आपका गरमा -गर्म तोरई सूप तैयार है!

आपके लिए फायदेमंद है तोरई का सूप, जानिए कैसे?

यह सूप पीने से आपकी कब्ज़ की समस्या दूर हो सकती हैं, क्योंकि तोरई पचाने में हल्की है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक है। साथ ही, इसमें पानी की अच्छी मात्रा है। तोरई में रक्त को शुद्ध करने की क्षमता होती है।

ड्रग्स का सेवन हो सकता हैं जानलेवा!

जानिए इसके स्वास्थ्य-संबंधी दुष्प्रभाव

बॉलीवुड सेलेस पर हो रही ड्रग्स रेड आश्चर्यजनक खुलासें कर रहीं हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हैं कि ड्रग्स का सेवन आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना घातक साबित हो सकता हैं। हाल ही में ड्रग्स केस में हुए स्टार किड आर्यन खान की गिरेतारी के बाद बॉलीवुड में हलचल मच गई हैं। यह पहला मामला नहीं हैं लेकिन ड्रग्स से संबंधित मामले तेजी से बढ़ रहें हैं। यह अच्छा संकेत नहीं हैं।

बॉलीवुड सेलेब्स पर हो रही ड्रग्स रेड आश्चर्यजनक खुलासें कर रहीं हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हैं कि ड्रग्स का सेवन आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना घातक साबित हो सकता हैं। हाल ही में ड्रग्स केस में हुए स्टार किड आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद बॉलीवुड में हलचल मच गई हैं। यह पहला मामला नहीं हैं लेकिन ड्रग्स से संबंधित मामले तेजी से बढ़ रहें हैं। यह अच्छा संकेत नहीं हैं। ड्रग्स का सेवन आपको अंदर से खोखला और बीमार बना सकता हैं। यह ना केवल आपको शारीरिक रूप से बीमार बनाता हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाता हैं। ड्रग्स के ओवरडोज से व्यक्ति की मौत भी हो सकती हैं। जानिए कि कैसे सभी प्रकार के ड्रग्स आपके नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं।

क्या कहता है शोध?

नशीली दवाओं के दुरुपयोग से आपका ब्रेन सही से काम करना बंद कर देता हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज की रिपोर्ट है कि ब्रेन स्टेम , लिम्बिक सिस्टम और सेरेबल कॉर्टेक्स सभी प्रभावित होते हैं। ब्रेन स्टेम आपके रोजाना जीवन के कार्यों को नियंत्रित करता हैं, जिसमें नींद, श्वास और हृदय गति शामिल है, जबकि लिम्बिक सिस्टम आपके ईमोशन को कंट्रोल करता हैं। जितनी ज्यादा ड्रग्स का उपयोग किया जाता है, उतना ही वे ब्रेन स्टेम और लिमबिक सिस्टम को प्रभावित करेंगे। यह आपको अडिक्शन या लत का शिकार बना सकते हैं। इसके स्वास्थ्य पर कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

आपके नर्वस सिस्टम के कुछ मुख्य केमिकल्स!

1. डोपामाइ-यह न्यूरोट्रांसमीटर मूड को नियंत्रित करता है। यह आनंद को बढ़ाता है, मूवमेंट, इनाम, व्यवहार, प्रेरणा और ध्यान को मजबूत करने में शामिल है।

2. सेरोटोनिन -यह न्यूरोट्रांसमीटर मूड को स्थिर करने और भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार है।

3. गामा-एमिनोब्यूट्रिक एसिड=GABA एक प्राकृतिक ट्रैंक्विलाइज़र के रूप में कार्य करता है, तनाव प्रतिक्रिया को कम करता है और चिंता के स्तर को कम करने के साथ-साथ सेंट्रल नर्वस सिस्टम के कार्यों को धीमा करता है।

4. नॉरपेनेफिन - एड्रेनालाईन के समान, नॉरपेनेफ्रिन को अक्सर तनाव हार्मोन कहा जाता है, क्योंकि यह फाइट-या-फ्लाइट प्रतिक्रिया के जवाब में सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रोत्साहन देता है। यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ाते हुए फोकस और ध्यान भी रखता है।

ब्रेन केमिकल्स पर ड्रग्स के दुष्प्रभाव

1. मारिजुआना-मारिजुआना सबसे नियमित रूप से इस्तेमाल की जाने वाली अवैध ड्रग्स है। एनआईडीए की रिपोर्ट के अनुसार इसका उपयोग किशोरों और युवा वयस्कों में विशेष रूप से आम है। यह आपकी अल्पकालिक स्मृति का प्रबंधन करता है, जिसका अर्थ है कि मारिजुआना का उपयोग हाल की घटनाओं की याद में बाधा डाल सकता है। जब कोई मारिजुआना का अधिक सेवन करता है, तो उसके मोटर स्किल्स, मनोदशा में बदलाव, मेमोरी लॉस और स्पष्ट रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने में परेशानी हो सकता हैं। ये सामान्य अल्पकालिक दुष्प्रभाव हैं। मारिजुआना मस्तिष्क में डोपामिन के स्तर में भी गिरावट लाता हैं, जिससे उनके व्यवहार में काफी बदलाव आ जाता हैं।मारिजुआना के मस्तिष्क पर कई दीर्घकालिक दुष्प्रभाव भी होते हैं, जो विशेष रूप से उन व्यक्तियों में प्रचलित हैं जो ब्रेन के पूरी तरह से विकसित होने से पहले ही इसका सेवन करने लगते हैं।

2. हेरोइन-हेरोइन आपके ओपिओइड रिसेप्टर्स से बंधते हैं और डोपामाइन की रिहाई को ट्रिगर करते हैं। एक मायने में, ये दवाएं मस्तिष्क में लिम्बिक सिस्टम को हाईजैक कर लेती हैं। हेरोइन को सबसे तेज़ असर करने वाला ड्रग्स माना जाता है, जो लगभग तुरंत प्रभाव डालता है और इसे ज्यादा नशा बनता हैं। जब कोई हेरोइन बार-बार लेता है, तो वे इसके प्रति सहनशीलता विकसित कर सकते हैं क्योंकि शरीर और ब्रेन को इसकी आदत हो जाती है। अधिक प्रभाव महसूस करने के लिए व्यक्ति तब ज्यादा हेरोइन ले सकते हैं। अडिक्शन के बाद ड्रग्स के बंद होने पर डोपामाइन का स्तर गिर जाता है।

3. कोकीन, मेथामफेटामाइन, और अन्य स्टिमुलेन्ट - कोकीन, मेथामफेटामाइन, और अन्य स्टिमुलेन्ट सेंट्रल नर्वस सिस्टम की गति को प्रभावित करते हैं। यह हृदय गति, शरीर के तापमान और रक्तचाप को बढ़ाते हैं जबकि ऊर्जा के स्तर, ध्यान, सतर्कता और जागरुकता को भी बढ़ाते हैं। वे भूख को भी दबाते हैं। कोकीन और मेथ, विशेष रूप से, अधिक नशा करते हैं क्योंकि वे तेजी से मस्तिष्क को डोपामाइन से भर देते हैं। नशे के बाद आने वाला क्रैश महत्वपूर्ण हो सकता है, जिसमे व्यक्ति अत्यधिक थका हुआ, भूखा, चिड़चिड़ा, मानसिक रूप से भ्रमित और उदास महसूस करता है। इसके कारण हार्ट अटैक का भी जोखिम हो सकता हैं। अत: इन ड्रग्स का सेवन बिल्कुल ना करें, क्योंकि यह आपको बीमार कर सकता हैं।

अगर शाकाहारी हैं तो अपने आहार में जरूर शामिल करें पोा गोभी, हम बता रहे हैं इसके फायदे

अगर आप शाकाहारी हैं और प्रोटीन के लिए केवल छोले, पनीर, सोयाबिन और राजमा पर ही निर्भर हैं, तो आपको पत्ता गोभी के गुण भी जान लेने चाहिए। अकसर लोगों को लगता है कि वेजिटेरियन्स के पास बहुत कम फूड च्वॉइस होती हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि यहां हर पोषक तत्व के लिए कई सुपरफूड्स मौजूद हैं। ऐसा ही एक सुपरफूड है पत्ता गोभी । जो न सिर्फ प्रोटीन का पावरहाउस है, बल्कि एंटीऑक्सीडेंट का खजाना भी है। सबसे अच्छी बात कि आप इसे किसी भी फूड में एडजस्ट कर सकते हैं। सूप से लेकर क्रंची पिज्जा तक, आप पत्ता गोभी को कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं।

बहुत खास है पत्ता गोभी-पत्ता गोभी, जो कि लाल, हरे और कभी ङ्क कभी सफेद रंग में भी पाया जाता है, पौष्टिक गुणों से भरपूर सब्जी है। यह सिर्फ आपकी सेहत के लिए नहीं, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी लाभदायक है। इसे आप नियमित रुप से अपने आहार में शामिल कर सकती हैं।इसके बारे में सबसे अच्छी बात यह हैं कि इस सब्जी को इंडियन फूड, वेस्टर्न फूड और चाइनीज़ फूड के रुप में भी बनाया जाता है। इसमें मौजूद विटामिन और लवण आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

आपकी सेहत के लिए क्यों फायदेमंद है पत्ता गोभी

1 एंटी एजिंग है पत्ता गोभी-पत्ता गोभी आपकी सेहत के लिए इसलिए अच्छी है क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण आपको इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम, पेप्टिक, गैस्ट्रिटिस जैसे विकारों से लड़ने में मदद करते हैं। इसमें फाइबर ज्यादा और कैलोरी कम मात्रा में पाई जाती है। जो कि आपके वजन को कम करने में सहयोग करता है। पत्ता गोभी का नियमित सेवन आपको लंबे समय तक जवां रखता है।बंद गोभी को स्वस्थ आहार का एक जरूरी हिस्सा माना जाता है। इसमें विटामिन(, आयरन और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिसकी वजह से ये आपको कई बीमारियों से लड़ने में मदद करती है।

2 कैंसर से लड़ने में मददगार-इसमें मौजूद कार्बिनोल, सिनिगिन और इंडोल कैंसर से बचने में आपकी मदद करता है। इसमें सल्फोराफेन पाया जाता है, जो कैंसर कोशिकाओं को विकसित होने से रोकता है।

3 इम्युनिटी बूस्टर है पत्ता गोभी-आपकी पसंदीदा पत्ता गोभी में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो आपकी इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक है। इसमें मौजूद विटामिन सी उन रेडिकल्स को बाहर निकालता है, जो आपको किसी भी बीमारी का शिकार बना सकते हैं।

4 कब्ज दूर करती है-कब्ज की शिकायत होने पर पत्तागोभी का सेवन बहुत लाभप्रद होता है। यह रेशेदार होती है, जिससे पाचन क्रिया सुचारू होती है और आपको कब्ज से निजात मिलती है।

खिताबी मुकाबले में सीएसके

पुराने रंग में धोनी, हैट्रिक चौका जड़ दिलाई जीत, दिल्ली को चार विकेट से हराया

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल के दूसरे चरण के पहले क्वॉलिफायर में दिल्ली कैपिटल्स को दो गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम ओवर में चेन्नई को 13 रन की जरूरत थी। टॉम करन के अंतिम ओवर में मेंहद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन चौके जड़ते हुए टीम को जीत दिलाई। हांलकि दिल्ली के पास फाइनल में पहुंचने का अभी भी एक और मौका हैं। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 172 रन रन बनाए जबाव में लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई की शुरुआत खराब रही और पारी की चौथी ही गेंद पर फाफ डु प्लेसिस (1) रन बनाकर नोर्त्जे की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद गायकवाड़ और उथप्पा ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। अच्छी बल्लेबाली कर रहे उथप्पा (63) रन बनाकर टॉम करन की गेंद पर आउट हुए। इसी ओवर में करन ने शार्दूल को (0) पर आउट कर चेन्नई को दोहरा नुकसान पहुंचाया। अगले ही ओवर में अंबाती रायडू (1) रन आउट हो गए। ऋतुराज गायकवाड़ (70) की विकेट आवेश खान ने 19वें ओवर में चटकाई।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी शॉ कै. डुप्लेसी बो. जडेजा	60	34	7	3
शिखर धवन कै. धोनी बो. हेजलवुड	07	07	1	0
अय्यर कै. गायकवाड़ बो. हेजलवुड	01	08	0	0
अक्षर पटेल कै. सैटनर बो. मोईन अली	10	11	1	0
पंत नाबाद	51	35	3	2
हेटमायर कै. जडेजा बो. ब्रावो	37	24	3	1
टॉम करन नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 6, कुल : 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन **विकेट पतन :** 1-36, 2-50, 3-77, 4-80, 5-163, **गेंदबाजी :** दीपक चाहर 3-0-26-0, जोश हेजलवुड 4-0-29-2, शार्दुल ठाकुर 3-0-36-0, रवींद्र जडेजा 3-0-23-1, मोईन अली 4-0-27-1, ड्वेन ब्रावो 3-0-31-1,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4	6
ऋतुराज कै. अक्षर बो. आवेश	70	50	5	2
डुप्लेसी बो. नोर्त्जे	01	02	0	0
रॉबिन उथप्पा कै. श्रेयस बो. करन	63	44	7	2
शार्दुल ठाकुर कै. श्रेयस बो. करन	00	01	0	0
अंबाती रायडू रनआउट	01	03	0	0
मोईन अली कै. रबाडा बो. करन	16	12	2	0
एमएस धोनी नाबाद	18	06	3	1
रवींद्र जडेजा नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 4, कुल : 19.4 ओवर में छह विकेट पर 173 रन **विकेट पतन :** 1-3, 2-113, 3-117, 4-119, 5-149, 6-160, **गेंदबाजी :** नोर्त्जे 4-0-31-1, आवेश खान 4-0-47-1, कगिसो रबाडा 3-0-23-0, अक्षर पटेल 3-0-23-0, टॉम करन 3.4-0-29-3, अश्विन 2-0-19-0,

पृथ्वी शॉ और कप्तान पंत ने जड़े अर्धशतक

सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ (60), कप्तान ऋषभ पंत (नाबाद 51) और शिमरॉन हेटमायर (37) की आतिशी पारियों से दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाए। पृथ्वी ने जोरदार शुरुआत की और उन्होंने 34 गेंदों पर 60 रन में सात चौके और तीन छक्के लगाए। कप्तान पृथ्वी ने इस आईपीएल का तीसरा अर्धशतक और ओवरआल अपना 15वां आईपीएल अर्धशतक बनाया। इसके बाइ ऋषभ ने हेटमायर के साथ 83 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। हेटमायर ने 24 गेंदों पर 37 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया। पृथ्वी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और चेन्नई के तेज गेंदबाजो पर टूट पड़े। वह एक तरफ जहां बॉउंड्री लगा रहे थे तो दूसरी तरफ विकेट भी गिर रहे थे। शिखर धवन सात गेंदों में सात रन बनाकर आउट हो गए। श्रेयस अय्यर आठ गेंदों पर मात्र एक रन बना सके। अक्षर 11 गेंदों में 10 रन बनाकर ऑफ स्पिनर मोईन अली का शिकार बने। चेन्नई की तरफ से हेजलवुड ने 29 रन पर दो विकेट लिए जबकि जडेजा, मोईन और ब्रावो ने एक-एक विकेट लिया।

ऋतुराज व उथप्पा ने शतकीय साझेदारी की

प्लेऑफ में किसी टीम की अगुआई करने वाले सबसे युवा कप्तान बने पंत

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2021 के पहले क्वॉलिफायर मैच में उतरने के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने इतिहास रच दिया है। पंत आईपीएल के इतिहास में प्लेऑफ में किसी टीम की अगुआई करने वाले सबसे युवा कप्तान बन गए। पंत 24 साल और 6 दिन की उम्र में इस टी20 लीग के प्लेऑफ में किसी टीम के कप्तान के रूप में उतरे। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम था। श्रेयस ने यह रिकॉर्ड साल 2019 में 24 साल 155 दिन की उम्र में कायम किया था। धोनी ने भी राहुल द्रविड़ के खास रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वह 40 या उससे अधिक उम्र में आईपीएल प्लेऑफ में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दूसरे कप्तान बन गए हैं। इससे पहले राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के लिए ऐसा किया था।

ड्वेन ब्रावो ने रचा इतिहास: ड्वेन ब्रावो ने शिमरोन हेटमायर की विकेट लेते ही टी-20 क्रिकेट में अपना 550वां हासिल किया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले ब्रावो दुनिया के पहले खिलाड़ी बने।

एलिमिनेशन के लिए उतरेंगे बेंगलुरु और कोलकाता

शारजाह। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाईट राइडर्स मंगलवार को जब यहां आईपीएल के एलिमिनेशन मुकाबले में उतरेंगे तो दोनों टीमों का एक ही लक्ष्य होगा जीत हासिल करना। इस मुकाबले में जीतने वाली टीम के लिए फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदे कायम रहेंगी जबकि हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जायेगी। जीतने वाली टीम को बुधवार को होने वाले दूसरे क्वालीफायर में दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच पहले क्वालीफायर में हारने वाली टीम से भिड़ने का मौका मिलेगा और इस मुकाबले की विजेता टीम 15 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में पहले क्वालीफायर की विजेता टीम से भिड़ेगी। बेंगलुरु और कोलकाता के बीच इसलिए यह करो या मरो का मुकाबला होगा। बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली चाहेंगे कि इस सत्र के बाद अपनी टीम और टी-20 की कप्तानी छोड़ने से पहले वह अपनी टीम को एक बार अपनी कप्तानी में आईपीईएल चैंपियन बना दें। लेकिन इसके लिए उन्हें कोलकाता के कप्तान इयान मॉर्गन की चुनौती से पार पाना होगा।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं ने किया क्लीन स्वीप

भारत को आखिरी टी-20 मुकाबले में 14 रनों से हराया, सीरीज 2-0 से जीती

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय महिलाओं को से तीसरे और आखिरी टी-20 मुकाबले में 14 रनों से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला को 2-0 से अपने नाम किया।

इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने कई प्रारूपों की इस श्रृंखला को 11-5 की बड़ी बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया ने कब्जा किया। भारतीय टीम के इस दौरे पर श्रृंखला विजेता का निर्धारण एकदिवसीय (तीन मैच), टेस्ट (एक मैच) और टी20 अंतरराष्ट्रीय (तीन मैच) के समग्र नतीजे पर किया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 149 रन बनाए। लक्ष्य को पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना ने 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ जेमिमाह रोड्रिग्ज (26 गेंद में 23 रन) की तूफानी पारी के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी कर अच्छा मंच तैयार किया था लेकिन टीम ने बीच के ओवरों में 10 रन के अंतर में चार विकेट गंवा दिए। भारत के लिए शेफाली वर्मा एक रन, हरमनप्रीत 13 रन, पूजा वस्त्रकार 5 रन, हरलीन दो रन व दीप्ति शर्मा ने नौ रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए निकोल कैरी ने 42 रन देकर दो जबकि एएली गार्डनर, ऐनाबेल सदरलैंड और जॉजिया वेयरहम ने एक-एक विकेट लिए।

युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया: हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा, परिणाम हमारे हाथ में नहीं था लेकिन हमारे युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। पूजा और ऋचा ने सभी को प्रभावित किया। हमने दिन-प्रतिदिन अपने प्रदर्शन को बेहतर किया है और हम अपने सपोर्ट स्टाफ का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने हमे काफी मदद की। महिला बिग बैश लीग के लिए मैं काफी उत्साहित हूं। सिर्फ मै नहीं, बल्कि बाकी सभी खिलाड़ी जो इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, यह उनके लिए बहुत अच्छा होगा। इस हार के साथ भारतीय महिला टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का हुआ अंत। दौरा खत्म हो गया है लेकिन क्रिकेट जारी रहेगा। 14 अक्टूबर से भारत की आठ खिलाड़ी महिला बिग बैश लीग में खेलती नजर आएंगी।

मैकग्रा और मूनी ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला

प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज तालिया मैकग्रा की 31 गेंदों पर 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी और सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (61) की अर्धशतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन की अहम साझेदारी भी निभाई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान मेग लेनिंग 14 रन, गार्डनर एक रन और एलिसा पेरी ने आठ रन का योगदान दिया। भारत के लिए राजेश्वरी ने चार ओवर में 37 रन देकर दो जबकि रेणुका, वस्त्राकर और दीप्ति ने एक-एक विकेट लिया।

पारिबास ओपन में जीते मेदवेदेव और कैरोलिना

मेदवेदेव ने मैकडोनाल्ड को 6-4, 6-2 से हराया

इंडियन वेल्स। शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव और कैरोलिना प्लिस्कोवा ने बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सीधे सेटों में जीत दर्ज की लेकिन गर्बाइन मुगुरुजा सहित कुछ वरीय खिलाड़ी हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मेदवेदेव ने अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-4, 6-2 से हराया और इस तरह से पिछले महीने यूएस ओपन से चल रहे अपने विजय अभियान को आठ जीत तक पहुंचाया। मैकडोनाल्ड के खिलाफ एक बार भी वह अपनी सर्विस गंवाने की स्थिति में नहीं पहुंचे जबकि उन्होंने तीन बार ब्रेक प्वाइंट लिया। कैरोलिना ने इस एटीपी एवं डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में मैग्डालेना फ्रेच पर 7-5, 6-2 की जीत से तीसरे दौर में प्रवेश किया। कैरोलिना ने छह ऐस जमाये। वह डब्ल्यूटीए टूर में इस साल सर्वाधिक 387 ऐस जमा चुकी हैं। उन्होंने छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट अपने पक्ष में किये। पिछले सप्ताह शिकागो में जीत दर्ज करने वाली पांचवीं वरीयता प्राप्त मुगुरुजा को अजला टोमालयानोविच ने 3-6, 6-1, 6-3 से हराया।

यूरोपीय देश की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले फुटबॉलर बने रोनाल्डो

दोस्ताना मुकाबले में कतर को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने कतर के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में कुल तीन गोल किए और विश्वकप के मेजबान देश को 3-0 से हराया। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इस मैच में एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कतर के खिलाफ दोस्ताना मैच में उतरने के साथ ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड बना लिया। उन्होंने यूरोपीय देश से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह उनका 181वां मुकाबला था और उन्होंने इस मामले में रियल मेड्रिड के अपने पुराने साथी स्पेन के सर्जिओ रामोस (180) को पीछे छोड़ दिया। मैच में रोनाल्डो ने 37वें मिनट में पहला गोल दागा। इसी के साथ उनके अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या बढ़कर 112 हो गई। रोनाल्डो ने पिछले महीने ही ईरान के अली देइ के 109 गोल के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था, जब उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ दो गोल दागे थे। पुर्तगाल मंगलवार को लक्जमबर्ग के खिलाफ मुकाबले से वर्ल्ड कप क्वॉलीफाइंग के अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

डेनमार्क और इंग्लैंड ने विश्वकप क्वॉलीफाइंग में जीते अपने- अपने मुकाबले

जेनेवा। डेनमार्क और इंग्लैंड ने विश्व कप फुटबॉल क्वॉलीफाईंग मैचों में बड़ी जीत के साथ यूरोपीय ग्रुप चरण में अपने अभियान को नए मुकाम पर पहुंचाया। स्कॉटलैंड, सर्बिया, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूक्रेन ने भी अगले साल कतर में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए कम से कम प्लेऑफ में स्थान सुनिश्चित करने की तरफ कदम बढ़ाये। डेनमार्क ने ग्रुप एफ में मोलदोवा को 4-0 से हराया। यह उसकी लगातार सातवीं ऐसी जीत है जिसमें उसके खिलाफ गोल नहीं हुआ। वह अभी तक 26 गोल दाग चुका है।

टी20 विश्वकप विजेता टीम को मिलेंगे 12 करोड़ रुपए

उपविजेता को इसकी आधी राशि देने की घोषणा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी 20 विश्व कप के विजेता को 16 लाख डॉलर (लगभग 12 करोड़ रुपए) की इनामी राशि जबकि उपविजेता को इसकी आधी राशि देने की रविवार को घोषणा की।

आईसीसी ने टूर्नामेंट में भाग ले रही 16 प्रतिस्पर्धी टीमों के लिए कुल 56 लाख डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपए) की रकम पुरस्कार राशि के रूप में रखे गए हैं। यह प्रतियोगिता 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक यूएई और ओमान में खेली हो जाएगी। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को पुरस्कार के तौर पर चार-चार लाख डॉलर (लगभग तीन करोड़ रुपए) मिलेंगे। ये मुकाबले 10 और 11 नवंबर को खेले जायेंगे। इसमें से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने वाली प्रत्येक आठ टीमों को 70,000 डॉलर (लगभग 52.5 लाख रुपए) जबकि पहले दौर में बाहर होने वाली टीमों को प्रत्येक को 40,000 डॉलर (लगभग 30 लाख रुपए) मिलेंगे। सुपर 12 चरण में मैच जीतने वाली हर टीम को बोनस राशि दी जायेगी। इस चरण में 30 मैच खेले जायेंगे। जिसमें हर मैच के विजेता को पुरस्कार के तौर पर 40,000 डॉलर (लगभग तीन लाख रुपए) इसके साथ ही मैचों के बीच में दो बार ड्रिंक्स ब्रेक होगा।

पहली बार होगा डीआरएस का प्रयोग

विश्व कप मे पहली बार डिसिजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) का उपयोग किया जाएगा। आईसीसी की गवर्निंग बॉडी ने इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि इस महीने के अंत में शुरू हो रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप में डीआरएस की सुविधा उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक टीम को प्रति पारी अधिकतम दो रिव्यू लेने का मौका मिलेगा। गवर्निंग बॉडी ने पिछले साल जून मे सभी प्रारूपो के एक मैच की प्रत्येक पारी मे, प्रत्येक टीम के लिए एक अतिरिक्त डीआरएस की पुष्टि की थी।

भारत ने उबेर कप में स्पेन को हराया

आरहस । अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को चोटिल होने के कारण स्पेन के खिलाफ उबेर कप फाइनल्स के पहले मुकाबले से हटना पड़ा लेकिन युवा खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन से भारत ने रविवार को यहां 3-2 की जीत से अपने अभियान का आगाज किया। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना ने भारतीय चुनौती का आगाज किया। उन्हें कमर के पास दर्द के कारण स्पेन की क्लारा अजुरमेंडी के खिलाफ मुकाबले से हटना पडा। इस समय वह पहले गेम को 20-22 से हार गयी थी। मालविका बंसोड़ ने हालांकि सुनिश्चित किया कि भारत शुरुआती मैच के उलटफेर से जल्दी उबर जाये। उन्होंने दुनिया की पूर्व नंबर 20 खिलाड़ी बीट्रीज कोरालेस पर 21-13, 21-15 से जीत दर्ज करके स्कोर को 1-1 कर दिया। इसके बाद तनीषा क्रेस्टो और ऋतुपर्णा पांडा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए स्पेन की पाउला लोपेज और लोरेना उस्ले की जोड़ी को 21-10, 21-8 हराकर पांच मैचों के मुकाबले में भारत का 2-1 से बढ़त दिला दी। तीसरे एकल मुकाबले में अदिति भट्ट ने अपनी प्रतिभा की झलक पेश की और स्पेन की आनिया सेटियन को 21-16, 21-14 से हराया।

दिल का दौरा पड़ने से अंपायर सुमित बंसल का निधन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से संबंधित दिल्ली के अंपायर सुमित बंसल का रविवार एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सुमित को 2 अक्टूबर को तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश के बीच अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी मैच के दौरान एक तेज शॉट से आंख के पास चोट लग गई थी। इसके तुरंत बाद सुमित को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।दो दिन बाद उन्हें सब कुछ ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया। हालांकि उनके चेहरे से सूजन अब भी नहीं गई थी। 8 अक्टूबर को सुमित को सीने में दर्द उठा। 9 अक्टूबर को यह दर्द फिर से उठा और उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां 10 अक्टूबर की सुबह उनकी मृत्यु हो गई। सुमित ने 2006 से अपने अंपायरिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने एक प्रथम श्रेणी और 19 लिस्ट ए मैचों के साथ आयु वर्ग क्रिकेट में भी अंपायरिंग की थी। सुमित के पिता श्याम कुमार बंसल भी अंपायर थे और उन्होंने 1990 के दशक में सात टेस्ट और 44 वनडे मैचों में अंपायरिंग की थी।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए इंग्लैंड का 17 सदस्यीय मजबूत दल घोषित

जो रूट संभालेंगे टीम की कमान

लंदन। इंग्लैंड ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज के लिए 17 सदस्यीय मजबूत दल का ऐलान कर दिया है।

टीम की कमान जो रूट के कंधों पर ही रहेगी, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज कप्तान जोस बटलर उप-कप्तान रहेंगे। खेल से अनिश्चितकाल के लिए खुद को दूर रखने वाले बेन स्टोक्स इस दौरे पर भी टीम के साथ नही होंगे जबकि चोटिल सैम करन भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। 39 साल की उम्र में जेम्स एंडरसन अपने पांचवें एशेज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे, जबकि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद चोटिल हुए तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड भी दल मे वापसी कर रहे है। ऑली रॉबिन्सन का सीनियर टीम के साथ ये पहला ऑस्ट्रेलियाई दौरा होगा जबकि क्रिस वोक्स, क्रेग ओवर्टन और मार्क वुड तेज गेंदबाज के तौर पर टीम मे शामिल है।

बोटास ने तुर्की ग्रां प्री जीता, वेर्स्टापेन तालिका में शीर्ष पर पहुंचे

इस्तांबुल। मर्सिडीज के वालव वाल्टेरी बोटास ने तुर्की ग्रां प्री में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए रविवार को सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की तो वही रेड बुल के मैक्स वेस्टापेन ने दूसरा स्थान हासिल करते हुए समग्र तालिका में गत चैम्पियन लुईस हैमिल्टन को पीछे छोड़ दिया। रेड बुल के सर्जियो पेरेज तीसरे स्थान पर रहे तो वही फेरारी के चार्ल्स लेक्लर्क चौथे और हैमिल्टन पांचवे स्थान पर रहे। इस रेस से पहले हैमिल्टन के पास समग्र तालिका में दो अंक की बढत थी लेकिन अब वह दूसरे स्थान पर खिसक गये है और उनके और वेस्टापेन के बीच छह अंको का फासला हो गया है। बोटास ने इससे पहले पिछले सत्र में सितंबर में रूस ग्रां प्री में जीत दर्ज की थी।

कतर में खेले जाने वाला विश्व कप मेरा आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट हो सकता है: नेमार

साओ पाउलो। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी नेमार ने कहा कि अगले साल कतर में खेले जाने वाला विश्वकप उनके करियर का आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट हो सकता है। 29 साल के स्ट्राइकर ने नेमार कहा, मुझे लगता है यह मेरा आखिरी विश्वकप होगा। मैं पिछले विश्वकप की तरह इसका सामना कर रहा हूं क्योंकि मुझे नहीं पता कि मैं मानसिक रूप से और अधिक फुटबॉल खेल पाउंगा या नहीं। उन्होंने कहा, मैं विश्व कप को अपने देश के लिए जीतने और अपने सपने को साकार करने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। यह मेरे बचपन से सबसे बड़ा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मैं इसे हासिल कर सकता हूं।

प्रदेश हॉकी अकादमी रोमांचक जीत के साथ सेमीफाइनल में

ओलंपियन विवेक सिंह हॉकी टीम को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराया, मंगलवार को होंगे सेमीफाइनल मुकाबले

भोपाल। रविवार को मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर रोमांचक मुकाबले में ओलंपियन विवेक सिंह हॉकी अकादमी को 2-1 से हराकर सब जूनियर बालक अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भोपाल में खेली जा रही चैंपियनशिप में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी, एसजीपीसी हॉकी अकादमी और ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चैंपियनशिप में सोमवार को रेस्ट डे रखा गया है। सेमीफाइनल मुकाबले मंगलवार को खेले जाएंगे।

चैंपियनशिप का सबसे रोमांचक मुकाबला : मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी और ओलंपियन विवेक सिंह हॉकी अकादमी के बीच खेला गया क्वार्टर फाइनल मुकाबला इस चैंपियनशिप का सबसे रोमांचक मुकाबला रहा। मैच के पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमों ने ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। हालांकि, पहली सफलता मप्र हॉकी अकादमी के जमीर मोहम्मद को मिली। जमीर ने चौथे ही मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर विपक्षी टीम पर दबाव बना दिया। मैच के दूसरे क्वार्टर में विवेक सिंह हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए हमले किए। मैच के 16वें मिनट में विवेक सिंह हॉकी अकादमी के आनंद कुमार यादव ने मैदानी गोल करते हुए टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पाई। चौथे क्वार्टर में दोनों ही टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए हमले तेज किए। मैच के 50वें मिनट में सद्दाम अहमद ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। यह बढ़त निर्णायक रही। मप्र हॉकी अकादमी की टीम मुख्य कोच ओलंपिक समीर दाद के मार्गदर्शन में भागीदारी कर रही है।

राउंडग्लास पंजाने साई अकादमी को किया बाहर : इससे पहले राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने साई अकादमी को 4-1 से पराजित कर प्रतियोगिता में बाहर का रास्ता दिखा दिया। राउंडग्लास अकादमी ने चारों ही क्वार्टर में एक-एक गोल किया, जबकि साई अकादमी ने चौथे क्वार्टर में अपना एकमात्र गोल दागा। एक अन्य मैच में एसजीपीसी हॉकी अकादमी ने राजा करण हॉकी अकादमी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें 1-1 की बराबरी पर थी। पेनल्टी शूटआउट में एसजीपीसी ने 3 और राजा करण हॉकी अकादमी ने दो गोल किए।

20वें ओवर में रबाडा के बजाए टॉम करन से बॉलिंग कराने पर बोले पंत- नहीं बता सकता कैसा महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पहले क्वालिफायर में मैच हारने के बाद एक क्विक टिप्पणी करने आए दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को दुखी और बोलते-बोलते अचानक रुकते हुए सुना गया। वो सवालों का सही से जवाब नहीं दे पा रहे थे। उन्होंने बेहद दुखी अंदाज में कहा कि वो फिलहाल नहीं बता सकते कि वो कैसा महसूस कर रहे हैं। किसी बड़ी लीग के बड़े मैच में बतौर कप्तान ऋषभ पंत का ये पहला मैच था। इसमें उन्होंने साहसिक फैसले भी किए, लेकिन उनके सारे फैसले गलत साबित हुए। कमेंट्रेटर्स ने भी उन्हें युवा कप्तान कहकर मजाक बनाया। असल में जब दिल्ली की पारी के 2 विकेट गिरे तो उन्होंने अक्षर पटेल को बैटिंग के लिए भेज दिया। जबकि खुद और सिमरन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को स्टैंड में बिठाए रखा। अक्षर ने 11 गेंद में 10 रन की एक धीमी पारी खेली, जिससे दिल्ली के तेज रफ्तार से चल रही रन गति अचानक धीमी हो गई।

पंत का एक और साहसिक कदम था, लेकिन वो भी उनके ऊपर उल्टा पड़ गया। मामला था 19वें ओवर के आखिरी गेंद का जिस पर टॉम करन ने एक भी रन नहीं लिया, क्योंकि वो चाहते थे आखिरी ओवर स्ट्राइक पंत लें। यहां तक तो ठीक था, लेकिन पंत ने छक्का लगाने के चक्कर में 20वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदें डॉट खेल दीं। पंत गेंद को मारने के बाद भी भाग नहीं रहे थे, जैसे कभी धोनी किया करते थे, लेकिन हुआ ये कि वो आखरी ओवर में एक भी छक्का नहीं लगा पाए।

सार-समाचार

हिन्दी दिवस समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। पंजाब नैशनल बैंक के संयोजन में स्थित नराकास (दिल्ली बैंक) द्वारा हिंदी दिवस समारोह एवं राजभाषा कार्यान्वयन एवं ई- टूल पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता विनोद कुमार, अध्यक्ष दिगी बैंक नराकास एवं अंचल प्रबन्धक, पंजाब नैशनल बैंक, नई दिगी ने अपने अध्यय संबोधन में विशिष्ट अतिथि के रूप में के. पी शर्मा, उप निदेशक, भारत सरकार, गृह मंत्रालय,राजभाषा विभाग उपस्थित थे साथ ही मेजबान सदस्य कार्यालय, आईएफसीआई लिमिटेड के पवन कुमार, महाप्रबंधक, मनीषा शर्मा, सदस्य सचिव तथा नराकास के समस्त सदस्य कार्यालयों के राजभाषा प्रभारी उपस्थित थे। इस समारोह में सदस्य कार्यालयों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई तथा मंचासीन अधिकारियों से पुरस्कार ग्रहण किया। बिनोद कुमार, अध्यक्ष दिल्ली बैंक नराकास एवं अंचल प्रबन्धक, पंजाब नैशनल बैंक, नई दिगी ने अपने अध्यय संबोधन में सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी के संयुक्त प्रयासों से हम भारत सरकार,गृह मंत्रालय,राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा कार्यान्वयन के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए अपने नराकास को आगे भी राजभाषा के क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर बनाए रखने में सफल रहेंगे। मेजबान सदस्य कार्यालय, आईएफसीआई लिमिटेड के पवन कुमार, महाप्रबंधक ने अपने विशेष संबोधन में कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में अपना योगदान दें। विशिष्ट अतिथि कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक ने कहा कि दिगी बैंक नराकास देश ही नहीं विदेशों में स्थित नराकासों के शीर्षस्थ नराकासों में से एक है जो वर्षभर राजभाषा गतिविधियों को सुचारू रखता है एवं दिगी बैंक नराकास के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों द्वारा किए जा रहे नवोन्मेषी कार्यों की सराहना की तथा उन्होंने संगोष्ठी में राजभाषा के कार्यान्वयन एवं ई- टूल पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

16 ग्राम पंचायतों पर मंगलवार को लगेगे प्रशासन गांवों के संग अभियान के शिविर

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने बताया कि प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत मंगलवार को जिले की 16 ग्राम पंचायतों पर प्रषासन गांवों के संग अभियान षिविर लगाये जायेगे। नेहरा ने बताया कि मंगलवार को गोकुलपुरा, कुंथाडा खुर्द, आनन्दपुरा,देवका हरवाडा, लखेर, डांगरवाडा, राम्यावाला, फतेहपुरा, मुण्डियागढ, पचाला, चतुर्भज, बजरंगपुरा, साईवाड, फतेहपुरा खुर्द, बोबास और उगरियावास में प्रषासन गांवों के संग अभियान षिविर लगेंगे।

नाम शुद्धिकरण से मंगलचन्द को मिली राहत

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021 में पंचायत समिति झोटवाडा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत निमेडा में मंगलचन्द पुत्र ज्ञानाराम ने सही नाम हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उसने बताया कि उसका सही नाम मंगलचन्द है लेकिन जमाबन्दी में मंगल दर्ज है, जिससे उन्हें अनेक बार तकनीकी समस्याओं का सामना करना पडता है। इस प्रकरण के सम्बन्ध में राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया जिसमें यह पाया गया कि वर्ष 1988 से खातेदार मंगलचन्द का नाम राजस्व रिकॉर्ड में मंगल दर्ज हो रहा है। अभियान में रिकॉर्ड की जाँच व मजमे आम में जाँच कर पटवारी, आईएलआर, तहसीलदार व उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा शुद्धि करते हुए मंगलचन्द का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस पर आवेदक मंगलचन्द ने अभियान में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आवेदक मंगलचन्द की आँखों से खुशी के आँसू छलक पडे।

दिव्यांग ने राज्य सरकार का आभार ज्ञापित किया

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। प्रशासन गांवों के संग अभियान से आमजन को राहत मिल रही है। समस्याओं का निस्तारण मौके पर होने से अन्तिम पक्ति में खड़े हुये लोगों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। ग्राम पंचायत खाचरियावांस में आयोजित शिविर में दिव्यांग फूलचन्द मीणा को राहत प्रदान की गई। दिव्यांग मीणा चलने, बोलने और सुनने में असमर्थ है। दिव्यांग मीणा का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की वरियता सूची में शामिल किया गया। शौचालय का लाभ देने के लिये ब्लॉक समन्वयक साबर मल मीणा के घर गये। शिविर प्रभारी राजेश मीणा ने दिव्यांग मीणा की शारीरिक स्थिति को देखते हुये समाज कल्याण विभाग से ट्राई साईकिल स्वीकृत करवा कर पंचायत के माध्यम से दिव्यांग के घर पहुँचाई। दिव्यांग का नाम महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत अपना काम अपना खेत में कुण्ड निर्माण हेतु वार्षिक कार्य-योजना में जोड़ गया। ये सब पाकर दिव्यांग फूलचन्द मीणा की आँखे खुशी बयां कर रही थीं।

पेटीएम ने लॉन्च की 'इंडियन ब्राण्ड सेल'

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिये भारत के अग्रणी डिजिटल इकोसिस्ट2म पेटीएम ने आज घोषणा की है कि इसके पेटीएम मिनी ऐप स्टोर ने 'इंडियन ब्राण्डी सेल' लॉन्चो की है। इस सेल में उपभोक्ता नये और आगामी देशी ब्राण्ड्सी से सीधे खरीदारी कर सकते हैं। त्यौहारों के मौसम का उत्सेव मनाते हुए यह सेल 31 अक्टूमबर तक चलेगी। इस सेल के दौरान पेटीएम मिनी ऐप स्टोकर 250 से ज्यादा ब्राण्ड्स के प्रोडक्ट्स दिखाएगा, जिन पर अधिकतम 70 प्रतिशत तक की छूट होगी। यूजर्स हर खरीदी के साथ 300 रूपये तक का निश्चित कैशबैक भी जीत सकते हैं। खरीदारों को स्वादिष्ट फूड्स, त्यौहारों पर घर की सजावट की चीजों, फैशन और एसेसरीज, ग्रूमिंग और वेलनेस प्रोडक्ट्से, आदि के ब्राण्ड्स खरीदारी के लिये मिलेंगे। फिर वे अपनी खरीदारियों के लिये आसानी से पेटीएम के अपने पसंदीदा माध्यमों द्वारा पेमेंट कर सकते हैं, जैसे पेटीएम वैलेट, पेटीएम यूपीआई, क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स, नेटबैंकिंग या पेटीएम पोस्टपैड (बाय नाऊ, पे लेटर)। प्रोडक्ट् की खोज से लेकर उसके लिये पेमेंट तक पूरा ट्रांजैक्श न पेटीएम के मिनी ऐप यूनिवर्स में होता है। सर्विसिंग और डिलीवरी डी2सी ब्राण्ड्स करेंगे। इस सेल में भाग ले रहे ब्राण्ड्स् में से कुछ हैं- ग्रीनब्रू, कियारा कॉस्मेटिक्सत, आरा डिजाईंस, सोलफुल बाय मिताली, द सोप कंपनी इंडिया, पोलका पॉप, बायोब्लनश, फूडक्लाउिड, इंडियन स्ट्रिंग्स , अमाया डेकोर्स, विविनका आदि। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, भारत में विभिन्न कैटेगरीज में डी2सी (डायरेक्टर टू कंज्यूसमर) ब्राण्ड्सक बढ़ रहे हैं और तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स मार्केट में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। 'इंडियन ब्राण्डन सेल' के जरिये पेटीएम इन उभरते ब्राण्ड्सई के लिये एक प्लेमटफॉर्म की पेशकश कर रहा है और अपने ब्राण्डक पर जागरूकता निर्मित करने के लिये हमारी कंपनी की पहुँच का फायदा उठाने का मौका दे रहा है।

विधानसभा उप चुनाव-2021

9 लाख मूल्य की अवैध शराब, नकदी व अन्य सामग्री की जब्त

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। प्रदेश की 2 विधानसभाओं में होने वाले विधानसभा उप चुनाव के लिए निर्वाचन विभाग के निर्देश पर संबधित विभागों ने लगभग 9 लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब, नकद राशि, नशीले पदार्थ व अन्य सामग्री जब्त की है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधान सभा उप चुनाव की षोषणा होने के साथ ही संबंधित विभागों की टीमों ने काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि वगभनगर (उदयपुर) एवं धरियावद (प्रतापगढ) में 10 अक्टूबर तक 8 लाख 98 हजार 204 रुपए मूल्य विभिन्न सामग्री जब्त की है।

गुप्ता ने बताया कि इन क्षेत्रों में काम कर रही एफएसटी, एसएसटी और पुलिस ने मिलकर 6 लाख 20 हजार रुपए मूल्य की अवैध शराब, 1 लाख 25 हजार रुपए मूल्य के नशीले पदार्थ और 1 लाख 50 लाख से ज्यादा मूल्य की अन्य संदेहास्पद सामग्री को जब्त किया है। उन्होंने कहा क्षेत्र में विभागों द्वारा कडी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदेहास्पद मामले पर कडी कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि दोनों विधानसभाओं में आगामी 30 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान करवाया जाएगा, जबकि 2 नवंबर को मतगणना होगी। दोनों विधानसभाओं में कुल 5 लाख 11 हजार 455 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

वल्लभनगर में 2 लाख 53 हजार 831 व धरियावद में 2 लाख 57 हजार 624 मतदाता मत डाल सकेंगे।

प्रशासन गांवों के संग अभियान-2021

शिविरों में मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

6 ग्राम पंचायतों पर सोमवार को लगे प्रशासन गांवों के संग अभियान के शिविर

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने बताया कि प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत सोमवार को जिले की 6 ग्राम पंचायतों पर प्रषासन गांवों के संग अभियान षिविर लगाये गए। नेहरा ने बताया कि सोमवार को पाटन, जाटावाली, चित्तौडा, मोहनपुरा, शाहपुरा और तुलसीपुरा ग्राम पंचायत में षिविर लगाये गये। तूंगा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत पाटन में सोमवार को प्रशासन गांवों के संग शिविर में अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। शिविर में चार बालिकाओं का जन्मदिन मनाया गया। शिविर प्रभारी शिव चरण शर्मा ने बालिकाओं को उपहार और केक भेट किया।

शिविर में सोमवार को नो पट्टे जारी किये। पशु चिकित्सालय और उप स्वास्थ्य केन्द्र के लिये भी पट्टे जारी किये गये।

बेटियों को हर सुख सुविधा मुहैया करवाना हमारा धर्म - विधायक

हनुमानगढ, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। जंक्शन के सरस्वती कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण विधायक चौधरी विनोद कुमार, नगरपरिषद सभापति व शिक्षण समिति अध्यक्ष गणेशराज बंसल, नगरपरिषद उपसभापति अनिल खिचड, पूर्व सरपंच चेतराम खिचड, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष लखवीर मान, सचिव अमरनाथ सिंगला, सहसचिव अनिल बंसल, कोषाध्यक्ष अशोक सिंगला, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा, विद्यालय प्रिंसीपल प्रेरणा रस्तोगी सहित अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया। सोमवार को नगरपरिषद द्वारा निर्मित मॉर्डन शौचलय व प्रबंध समिति कार्यालय सहित अनेकों विकास कार्यो का लोकार्पण किया गया। विधायक चौधरी विनोद कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती कॉलेज जिले के सबसे पुराने महाविद्यालय में से एक है जिसकी नींव आज भी मजबूत है। उन्होने कहा कि इस शिक्षण संस्था से पढकर बेटियों ने अनेकों पदों सुशोभित किया है जो कि संस्था के गौरव का विषय है। उन्होने कहा कि बेटियों के लिये हर सुख सुविधा मुहैया करवाना हमारा प्रथम धर्म है जिस और निरन्तर संस्था व नगरपरिषद कार्यरत है।

उन्होने कहा कि अगर भविष्य में संस्था को बेटियों की शिक्षा से संबंधित किसी भी चीज की आवश्यकता होगी तो हर संभव सहयोग किया जायेगा। उन्होने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बेटियों को शिक्षा में बढावा देने के लिये अनेकों योजनाएं चलाई है, उन्होने बेटियों को राज्य सरकार द्वारा चलाई जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरपरिषद सभापति व शिक्षण समिति अध्यक्ष गणेशराज बंसल ने बताया कि संस्था में पूर्व में बना शौचालय जर्जर अवस्था में होने के कारण नगरपरिषद की और से बेटियों के लिये मॉर्डन शौचालय का निर्माण करवाया गया है। उन्होने बताया कि संस्था निरन्तर बेटियों को हर सुख सुविध मुहैया करवाने में प्रयासरत है। वर्तमान में महाविद्यालय खेल मैदान, मुख्य द्वार सहित अनेकों विकास कार्य निर्माणाधीन है जो जल्द ही तैयार होकर महाविद्यालय की सौन्दर्यीकरण में चार चांद लगायेगे। समिति सचिव अमरनाथ सिंगला ने बताया कि विधायक चौधरी विनोद कुमार के निर्देशन में सभापति गणेशराज बंसल द्वारा शहर में अनेकों विकास कार्य करवाये जा रहे है जो कि सराहनीय है। उन्होने शहर में करवाये जा रहे विकास कार्यो के लिये विधायक चौधरी विनोद कुमार का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा ने आये हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अशोक पूनिया, पम्मा मान, सुशील नेहरा, गुरप्रीत मान, लकी सेठी व अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नवरात्रि का छठवां दिन समर्पित है माँ कात्यायनी को

चूरु ,11 अक्टूबर (एजेन्सी)। नवरात्रि का छठवां दिन समर्पित है माँ कात्यायनी को। वे देवताओं का कार्य सिद्ध करने के लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम पर प्रकट हुईं और महर्षि ने अपनी कन्या माना। माँ कात्यायनी फलदायिनी हैं। आज चुरु सिंगी धोरा स्थित सच्चियाय माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि के छठवे दिन अभीय सिंगी सपत्नीक राजश्री सिंगी ने शास्त्रोक्त विधि से पूजा अर्चना कर व माँ कात्यायनी की ज्योत ली और बताया की महिषासुर मर्दिनी व माँ दुर्गा की छठवें स्वरुप माँ कात्यायनी की आराधना से भक्तों को धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है।

मंदिर के व्यवस्थापक राजकुमार सिंगी ने बताया सृष्टि से बुराई का संहार करने वाली अपराजिता माता कात्यायनी आदिशक्ति का वो स्वरुप हैं जिनकी आराधना करने से भक्तों को न केवल मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पक्के खालों के लिये बजट आंवटन की मांग

हनुमानगढ, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। भाखडा नहर परियोजना के सभी अध्यक्षों की बैठक सोमवार को जंक्शन सिद्धमुख हाल सिंचाई विभाग में रखी गई। बैठक की अध्यक्षता प्रोजेक्ट चौयरमैन विजय सिंह जांगु ने की। बैठक में पक्के खालों के राशि का भुगतान करवाने के संबंध में चर्चा की गई। वितरिका अध्यक्ष विनोद कडवासरा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भादरा में किसानों के खेतों में बने पक्के खालों के लिये बजट सीएडी विभाग को मिल चुका है परन्तु हनुमानगढ जिला मुख्यालय व उसके आस पास के किसानों के लिये भाखडा नहर परियोजना में ऐसा कोई प्रावधान नही है जिससे वितरिका अध्यक्षों व किसानों में भारी रोष है। इसी के साथ साथ मनरेगा में स्वीकृत पक्के खालों के निर्माण को भी पंचायतों द्वारा शुरू नही किया जा रहा है। उन्होने बैठक में मजबूती से बात रखते हुए पंचायत स्तर पर मनरेगा के अन्तर्गत पक्के खालों के निर्माण की मांग रखी व साथ ही भाखडा के किसानों के लिये सीएडी विभाग को पक्के खालों के लिये बजट जारी करने की मांग की। वितरिका अध्यक्ष शंकरलाल ने श्योदानपुरा माईनर केएसआर के मिल्टीस्टेशन के अन्दर अवैध रूप से टेल पर नके बदले जाते है जिनपर कार्यवाही करने व केएसआर बी के मोघे का पुन: डिजाईन करवाकर लगवाने की मांग की है।

धरने पर बैठे शराब एसोसिएशन के पदाधिकारी

चूरू ,11 अक्टूबर (एजेन्सी)। शराब एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर चौथे दिन भी धरना जारी रहा। आरएसबीसीएल को रोजाना 2 करोड के लगभग राजस्व का नुकसान हो रहा है। जिले के सभी शराब एसोशिएसन के पदाधिकारी मौजूद रहे। एसोशिएसन के लखेन्द्र दांदू ने बताया कि आगे की रणनीति तैयार कर रहे है। सोमवार को आबकारी विभाग के गौदाम में जीरो बिलिंग हुई है। सभी ठैकेदारो ने कहा कि अगर हमारी मांग नही मानी तो शराब की दुकान की चाबी देने की बात कही है। इस बारे में अगर जल्द ही सरकार ने कोई रिहायत नही दी तो बडा आंदोलन होगा। जब आरएसबीसीएल व आरटीडीसी ने दुकाने ली थी, वो भी कम बिक्री के कारण सरेंडर कर दी है। इसलिए आम ठेकेदार को भी सरेंडर करना पडेगा। धरने में विनीत कस्वा, लखेन्द्र दांदू, कैलाश, रमेश शर्मा, पवन रणवा, कृपाल सिंह, भवानी सिंह, लालसिंह ,रणवीर सिंह, ओमसिंह, प्रकाश, खींव सिंह, नरेंद्र आदि ने धरने पर विरोध प्रदर्शन किया।

नगर विकास न्यास की हुई बैठक

शहर के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे- विधायक गौड

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। गंगानगर विधायक राजकुमार गौड ने कहा कि गंगानगर शहर के विकास के लिये कोई कोर कसर नहीं छोडी जायेगी। शहर का बहुआयामी विकास हो, इसको लेकर प्रत्येक क्षेत्र में विकास के कार्य सम्पादित किये जा रहे है।

गौड सोमवार को नगरविकास न्यास में जिला कलक्टर जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित न्यास की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शहर का विस्तार होने से नागरिकों को न्यास की दर पर भूखण्ड आवंटित होंगे, वहीं पर शहर का विस्तार व विकास होगा। उन्होंने कहा कि गंगानगर शहर में सडकों के विकास में कोई कमी नहीं छोडी है। शहर सुन्दर दिखे, इसको लेकर लगभग सभी सडकों का कार्य प्रगतिरत है या प्रारम्भ होने वाले है। गंगानगर में सडकों के अलावा शुद्ध पेयजल, शिक्षा के क्षेत्र में भी अनुकरनीय कार्य हुए है।

नगर विकास न्यास की बैठक में गौतम बुद्ध नगर आवासीय योजना की शीघ्र क्रियान्वित होगी, इसको लेकर विकास कार्य स्वीकृत किये गये है। गौतम बुद्ध नगर आवासीय योजना की आरक्षित दर 8700 रूपये प्रतिवर्ग मीटर निर्धारित की गई है। बैंक कॉलोनी, भूप कॉलोनी तथा राज्य कर्मचारी कॉलोनी के निवासियों को न्यास द्वारा पट्टे बनाये जायेंगे। खालसा नगर प्रथम में जोधपुर विधुत वितरण निगम लिमिटेड व 3 ई छोटी में उपस्वास्थ्य केन्द्र के लिये भूमि का आवंटन किया गया। पत्राकारों को दर्पण एन्कलेव में शेष 19 भूखण्डों का आवंटन किया जायेगा। समिति स्तर पर जल्द आवेदन मांगने की प्रक्रिया प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। बैठक में न्यास सचिव डॉ. हरितिमा, जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता नेमीचंद मीणा, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सुमन मनोचा, पेयजल के अधीशाषी अभियंता मोहनलाल अरोडा उपस्थित थे।

21वां छठ पूजा महोत्सव 8 से 11 नवम्बर तक धूमधाम से मनाया जाएगा

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। मिथिला सेवा समिति, छत्रपति शिवाजी फाउण्डेशन ट्रस्ट, होटल वेटर एसोसिएशन, श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में 21वां वार्षिक छठ पूजा महोत्सव तीन पुली क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाएगा। मिथिला सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. शगुन सिंह महात्मा ने बताया कि इस संबंध में सोमवार को पब्लिक पार्क में छठ पूजा महोत्सव मनाने वाली शहर की अनेक संस्थाओं की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी संस्थाएँ एक ही छठ पूजा महोत्सव आयोजित करेंगी जो तीन पुली क्षेत्र में होगा। बैठक में राज्य सरकार द्वारा धार्मिक आयोजन आयोजित करने की अनुमति जारी करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया ।

युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए निःशुल्क लाईब्रेरी व जिम का उद्घाटन

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। युवा सेवा समिति 4 जैड, श्रीगंगानगर द्वारा परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए निःशुल्क लाईब्रेरी तथा फिट इण्डिया अभियान के तहत युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए निःशुल्क जिम का संचालन प्रारम्भ किया गया है। लाईब्रेरी व जिम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि ब्रह्मचारी कल्याण स्वरूप जी तथा विशिष्ट अतिथि नेहरू युवा केन्द्र जिला अधिकारी भूपेन्द्र सिंह शेखावत एवं सरपंच बेअंत सिंह बराड़ थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने रिबन काटकर तथा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रगवलन कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया। तत्पश्चात् विधिवत रूप से लाईब्रेरी व जिम का उद्घाटन किया गया। कल्याण स्वरूप महाराज ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अछे संकल्प से हर कार्य सिद्ध हो जाता है। शिक्षा का दान पुण्य कार्य माना गया है। युवाओं को महापुरुषों को अपना आदर्श बनाना चाहिए तथा उनकी जीवनी पढनी चाहिए व उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने युवाओं को नेहरू युवा केन्द्र द्वारा संचालित गतिविधियों फिट इण्डिया, स्वच्छ भारत, प्लास्टिक मुक्त भारत की विस्तृत जानकारी दी तथा उत्तम स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम, योग-प्राणायाम करने के लिए प्रेरित किया। सरपंच बेअंत सिंह बराड़ ने युवा सेवा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इससे गाँव के युवाओं को पढने की सुविधा मिलेगी तथा जिम में शारीरिक व्यायाम आदि गतिविधियों से उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ युवा ही देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। युवा सेवा समिति द्वारा समस्त अतिथियों को सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा आभार व्यक्त किया गया।

गोल बाजार में जनरल स्टोर से नए नोटों के हार चोरी

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। गोल बाजार के पब्लिक पार्क में एक जनरल स्टोर के ताले तोड़कर नए नोटों के हार चोरी कर लिए जाने की घटना हुई है। जनरल स्टोर के संचालक ने नए नोटों के हार का ऑर्डर देने आए एक संदिग्ध व्यक्ति पर ही यह चोरी करने का शक जाहिर किया है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक मुखर्जीनगर निवासी मनोज नागपाल (41) द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।मनोज ने बताया कि विगत 4 अक्टूबर को 52-सी पब्लिक पार्क गोल बाजार स्थित उसकी दुकान मनोज जनरल स्टोर पर एक व्यक्ति ने आकर 5000 के नए नोटों का हार बनाने का ऑर्डर दिया। ऑर्डर के मुताबिक अगले दिन 5 अक्टूबर को यह हार बना कर दिया जाना था। उस दिन यह शख्स हार लेने के लिए नहीं आया। मनोज के मुताबिक 6-7 अक्टूबर की रात को उसकी दुकान के शटर के ताले टूट गए। वह 7 अक्टूबर की सुबह दुकान पर आया तो ताले टूटे हुए थे दुकान से लगभग 60-70 हजार रुपए के नए नोटों के बना कर रखे हुए हार गायब थे। पुलिस के अनुसार मनोज की दुकान के अंदर बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से संपर्क के बारे में सुराग मिले हैं। मनोज ने 4 अक्टूबर को नए नोटों के हार का आर्डर देने आए शख्स पर यह चोरी करने का संदेह व्यक्त किया है। पुलिस इस संदिग्ध का पता लगा रही है। जांच एएसआई सुरजीत सिंह कर रहे हैं।

गंगनहर के किसानों को शेयर के मुताबिक पानी मिले-आत्मराम तरड़

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। गंगानहर क्षेत्र के किसानों को रबी की फसल की बुवाई के समय पूरा दिलाने के लिए आज अधीक्षण अभियंता सिंचाई को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अधिकारियों को बताया गया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार की अर्कमण्यता के कारण गंगनहर के किसानों को पूरा पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या होगा कि जो शेयर तय किया गया है उसके मुताबिक भी पानी नहीं मिल पा रहा है। अधीक्षण अभियंता से मिले शिष्टमंडल में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जुगल डूमरा, जिला महामंत्री सर्दूल सिंह कंग, अविनाश डाबी, किसान मोर्चा जिला महामंत्री कुलदीप सिंह बराड़, जिला मंत्री राजीव चौधरी, किसान मोर्चा जिला आईटी संयोजक व उत्तर पश्चिमी रेलवे के जैडआरयूसीसी मैम्बर विजेन्द्र पाल सिंह 3सीसी, किसान मोर्चा श्रीगंगानगर देहात अध्यक्ष गुरमेल सिंह सिद्धू, श्रीगंगानगर देहात अध्यक्ष बलविन्द्र सिंह मग्गो, जगदीशराय कासिनयां आदि ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार करनी व कथनी में अंतर है। खरीफ की फसल के समय भी वर्तमान सरकार की नाकामियों के कारण भी पूरा नहीं मिलने के कारण बर्बाद हो गई।

जयपुर के फार्मा-टेक स्टार्टअप, मेड डिलीवरी को 20 लाख का पारितोषिक प्रदान किया

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेन्सी)। मेड डिलीवरी दवाईयों के लोकल स्टॉकिस्ट और मेडिकल शॉप्स के बीच एक मजबूत कडी स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। मेड डिलीवरी की स्थापना आस्था दुसाद, रोहित बाफना और राहुल गौतम द्वारा अप्रैल 2019 में की गई थी । मेड डिलीवरी को राजस्थान सरकार के iStart प्रोग्राम से स्वीकृत और मान्यताप्राप्त स्टार्टअप है ।iStart राजस्थान, राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान में स्टार्टअप के लिए एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, रोजगार सृजित करना और सुविधा प्रदान करना है? मेड डिलीवरी को फार्मा आपूर्ति को पूरा करने वाला टेक आधारित इको-सिस्टम बनाने के उगेखनीय प्रयासों के लिए iStartराजस्थान सरकार द्वारा 20 लाख रुपये से सम्मानित किया गया है। मेड डिलीवरी दवाई विक्रेताओं और लोकल डिस्ट्रीब्यूटरों के बीच दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही आपूर्ति के अंतराल को भी कम करता है जिससे मेडिकल शॉप्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के व्यापार को मजबूती मिली है और साथ ही उपनगरीय हिस्सों को डिजिटल युग की तरफ बढ़ने में मदद मिली है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व प्रधानसंपादक: जसविन्द्र बल के आदेशानुसार राजस्थान भोर प्रकाशन 30 बी 31 राधाकृष्ण नगर इमलीवाला फाटक, जयपुर से मुद्रित व प्रसारित, (RNI - RAJ. HIN 2003 11416). फोन: 0141-2590070, 2590091 फैक्स: 0141- 2594054
गंगानगर : 2 ई छोटी एस.एस.बी. रोड, श्रीगंगानगर (राज.) 9460557218, 90574-26604, नई दिल्ली :- डब्ल्यू जैड-338-339 नॉंगलराया, नई दिल्ली-110046, मो. 90138-15739, 95822-82977, टैलीफैक्स 011-28114193